● वर्ष-3
● अंक-225
रायपुर, मंगलवार
30 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› वैशाख मास में जल दान, नदी स्नान....

सरगुजा के बलरामपुर, कोरबा के करतला और मुंगेली के रोहरा में मुख्यमंत्री ने किया चुनाव प्रचार

शाह के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किये जाने पर बिफरे मुख्यमंत्री साय

मोदी जी के पिटारे में अभी देश के विकास के लिए बहुत कुछ

रायपुर/बलरामपुर/करतला/रोहरा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का चुनावी अभियान जोर-शोर से जारी है। भरी गर्मी में मुख्यमंत्री रोजाना 3-3 जनसभाएं कर रहे हैं, भाजपा प्रत्याशियों के लिए मतदान की बात कर रहे हैं। सरगुजा के बलरामपुर, कोरबा के करतला और मुंगेली के रोहरा में आए जनकुम्भ के बीच कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। कांग्रेस द्वारा गृह मंत्री अमित शाह की वीडियो को तोड़-मरोड़ कर पेश किये जाने पर श्री साय कांग्रेस पार्टी पर जम कर भड़के। उन्होंने कांग्रेस को मुद्दाविहीन बताते हुए तरह-तरह के भ्रम फैलाने की बात कही और उसे बहुत बड़ी षड़यंत्रकारी पार्टी बताया। सरगुजा के अंतिम छोर बलरामपुर में सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस नेताओं में पहले से ही हार की हताशा साफ दिख रही है। इसलिए हमारे बड़े-बड़े नेताओं पर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं, उनकी वीडियो को एडिट कर जनता में भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी पर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत द्वारा दिए गए लाठी से सर फोड़ने वाले बयान, कवासी लखमा द्वारा मोदी मर जाए वाले बयान की निंदा की। जनता से आग्रह किया कि लोकसभा चुनाव में भी बिगड़े बोल वाले कांग्रेस नेताओं और उसकी पार्टी को सबक सिखाना है, करारा जवाब देना है। कांग्रेस को खाता खोलने भी नहीं देना है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री ज्यादातर कांग्रेस पर हमलावर रहे। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल में हुए शराब घोटाले, डीएमएफ घोटाले, रेत घोटाले, कोयला घोटाले, जमीन घोटाले की परत दर परत उधेड़ दी। उनके टारगेट पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी रहे। श्री साय ने उसे प्रदेश के युवाओं का भविष्य ख़राब करने वाला बताया। सीएम साय ने सरगुजा वासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि

सत्ता में आने पर हटा देंगे 50% आरक्षण सीमा: राहुल गांधी

सकरी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी पहले 400 पार का नारा दे रहे थे और अब 150 पार भी नहीं बोल रहे। क्योंकि.. जनता समझ गई है कि भाजपा के लोग 400 पार के नारे की आड़ में संविधान और गरीबों के अधिकार छीनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश में आरक्षण, वोट, अधिकार.. ये सभी संविधान की देन हैं। अगर संविधान नहीं रहा तो आदिवासी साथियों के हाथ से जल-जंगल-जमीन गायब हो जाएंगे। हम जिन्हें आदिवासी कहते हैं, भाजपा के लोग उन्हें वनवासी कहते हैं। कांग्रेस के चुनावी वादों पर प्रकाश डालते हुए गांधी ने कहा कि 'इंडिया' के सत्ता में आने के बाद 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटा दी जाएगी। राहुल ने कहा कि हमारे लिए आदिवासी का मतलब- जो देश के सबसे पहले मालिक हैं। लेकिन भाजपा के लोग आपको वनवासी कहते हैं, क्योंकि वे चाहते हैं आपको जल-जंगल-जमीन न मिले। उन्होंने कहा कि आरक्षण एक सोच है। इसका मतलब है हिंदुस्तान के पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों को उनकी भागीदारी मिलनी चाहिए। लेकिन.. जब ये सरकारी चीजों को प्राइवेट करते हैं, आरक्षण को खत्म करते हैं। अग्निवीर जैसी स्कीम लाते हैं, आरक्षण को खत्म करते हैं। उन्होंने कहा कि पब्लिक सेक्टर में

दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को जगह मिलती थी, लेकिन जैसे ही उसे प्राइवेट किया जाता है, इनको जगह नहीं मिलती। गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी, इंडिया गठबंधन और दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के लोग हैं। उन्होंने संविधान की पुस्तक को दिखाते हुए कहा, यह चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है, संविधान को प्रधानमंत्री जी, भाजपा के नेता और आरएसएस के लोग बदलना और खत्म करना चाहते हैं। एक तरफ वह संविधान को खत्म करने में लगे हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी इसे बचाने की कोशिश कर रही है। गांधी ने कहा कि संविधान सिर्फ एक पुस्तक नहीं है, बल्कि यह इस देश में गरीबों को अधिकार देता है, उनकी रक्षा करता है और उनके भविष्य की देखभाल करता है. लेकिन भाजपा चाहती है कि इसे फाड़ कर फेंक दिया जाए।

सीपीआईएम और कांग्रेस बंगाल में भाजपा की दो आंखें हैं: ममता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 29 अप्रैल को चुनाव से पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को एक राजनीतिक चाल के रूप में इस्तेमाल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की आलोचना की और कहा कि इससे हिंदुओं को कोई फायदा नहीं होगा। मुर्शिदाबाद जिले के अल्पसंख्यक बहुल जंगीपुर निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, ममता ने भाजपा पर मतदान के शुरुआती चरणों में हार की आशंका के बाद विभाजनकारी रणनीति का सहारा लेने का आरोप लगाया। जंगीपुर में तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होना है। बनर्जी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूरे देश में भाजपा के खिलाफ भावना बढ़ रही है और पहले दो चरणों के मतदान के बाद यह स्पष्ट है। जब भी चुनाव होते हैं, वे सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए किसी न किसी मुद्दे का इस्तेमाल करते हैं। इस बार वे यूसीसी के बारे में बात कर रहे हैं और प्रचार कर रहे हैं कि यह एक विशेष समुदाय के खिलाफ है। लेकिन यह यूसीसी राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है और इससे हिंदुओं को किसी भी तरह से फायदा नहीं होगा। ममता ने कहा कि पहले दो चरणों में वोटिंग पैटर्न और प्रतिशत देखने के बाद हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि बीजेपी हार गई है।

शाह फेक वीडियो मामला: समाज में तनाव पैदा करने की साजिश रची जा रही: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के सतारा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह के फेक वीडियो को लेकर कार्रवाई की मांग की है। पीएम मोदी ने कहा कि फर्जी वीडियो के जरिए समाज में तनाव पैदा करने की साजिश रची जा रही है। देश में लोकतंत्र, शांति और सद्भाव के लिए मैं देश के लोगों से आग्रह करूंगा कि वे फर्जी वीडियो और तस्वीरों को उजागर करें और पुलिस को रिपोर्ट करें। हमारा सामाजिक न्याय का तरीका समाज में विभेद करने का नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने का है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने चुनाव आयोग से अपील करते हुए कहा कि समाज को फर्जी वीडियो से बचाना हमारी जिम्मेदारी, ऐसे लोगों के खिलाफ

कार्रवाई करे। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार का रवैया गरीबों को लेकर क्या होता था, इसका अंदाजा आप उनकी नीतियों से लगा सकते हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी, तब हजारों टन अनाज सरकार के गोदामों में सड़ता था। कांग्रेस सरकार उसे गरीबों को देने को तैयार नहीं थी। मना कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि कांग्रेस सरकार अनाज गरीबों में बांटे।

भाजपा ने पहले आरोप लगाया था कि तेलंगाना में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह का एक एडिटेड वीडियो प्रसारित किया गया था जिसमें उन्हें एससी-एसटी और ओबीसी समुदायों के आरक्षण को हटाने का झूठा वादा करते हुए दिखाया गया था। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि छेड़छाड़ किया गया वीडियो कथित तौर पर आधिकारिक तेलंगाना कांग्रेस के एक्स हैंडल द्वारा साझा किया गया था और उसके बाद, पार्टी के कई नेताओं ने इसे दोबारा पोस्ट किया। इस बीच, दिल्ली पुलिस साइबर सेल की एक टीम अमित शाह के छेड़छाड़ किए गए वीडियो को पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया हैंडल को नोटिस जारी करने के लिए सोमवार को तेलंगाना के लिए रवाना हुई, जिसमें उन्हें कथित तौर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षण को खत्म करने का वादा करते हुए सुना जा सकता है।

प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला: अनिल टुटेजा को राहत नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा के लिए सोमवार का दिन राहत लेकर नहीं आया. पांच दिनों की ईडी रिमांड खत्म होने के बाद अनिल टुटेजा को कोर्ट में पेश किया गया था. दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने उन्हें चार मई तक ईडी रिमांड पर भेज दिया है. इस बार अदालत ने उन्हें 6 दिनों की ईडी रिमांड पर भेजा है. चार मई 2024 को ईडी अनिल टुटेजा को कोर्ट में पेश करेगी. चार मई तक अब उनसे प्रवर्तन निदेशालय की टीम जांच करेगी. कोर्ट से अनिल टुटेजा को राहत नहीं मिलने के बाद अब ईडी उनसे नए सिरे से पूछताछ करने की तैयारी कर रही है. इस बारे में ईडी के वकील ने बताया कि अनिल टुटेजा के खिलाफ ईडी को पर्याप्त सबूत मिले हैं. ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने अनिल टुटेजा के सरकारी गवाह बनने के सवाल पर कहा कि इस बात का सटीक जवाब अनिल टुटेजा ही दे सकते हैं. अनिल टुटेजा की गिरफ्तारी के बाद से लगातार इस केस में सुनवाई चल रही है. इसके पहले प्रवर्तन निदेशालय को जांच करने के लिए रिमांड मिली थी.

चार सेकेंड लेट नहीं होता तो...चंद्रयान-3 खो गया होता

नई दिल्ली। चंद्रमा पर उतरा भारत का ऐतिहासिक मिशन चंद्रयान-3 चंद्रमा पर पहुंचने से पहले ही अंतरिक्ष में खो गया होता। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने खुलासा किया है कि कैसे उन्होंने जुलाई 2023 में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरने से पहले ही मिशन को बचा लिया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक हालिया रिपोर्ट में खुलासा किया है कि मलबे की वस्तुओं और उपग्रहों के साथ संभावित टकराव से बचने के लिए भारत के चंद्रमा मिशन चंद्रयान -3 को लॉन्च-ऑफ के दौरान चार सेकंड की देरी हुई थी। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि एलवीएम3-एम4/चंद्रयान-3 के लिए लॉन्चिंग में एक मिनट की देरी की गई। ताकि इन दोनों रॉकेट्स और सैटेलाइट के सामने आने वाले अंतरिक्ष के कचरे और अन्य उपग्रहों की टक्कर से बचा जा सके। भारत के महत्वाकांक्षी चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम का हिस्सा चंद्रयान-3 14 जुलाई, 2023 को लॉन्च के लिए निर्धारित किया गया था। हालांकि, इसके नियोजित प्रक्षेपण से कुछ क्षण पहले इसरो की सावधानीपूर्वक निगरानी प्रणालियों ने एक संभावित जोखिम का पता लगाया।

तारीख हो गई तय, एक मंच पर दिखेंगे दो पुराने दिग्गज

मुंबई। राज ठाकरे ने मनसे के गुड़ी पड़वा मेले में महायुति को बिना शर्त समर्थन देने का फैसला किया। राज ठाकरे ने साफ किया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन का बिना शर्त समर्थन करते हैं, ऐसे में राज ठाकरे महायुति के लिए प्रचार भी करेंगे? इसको लेकर उत्सुकता थी। राज ठाकरे के महायुति के प्रचार के लिए पहली सभा तय हो गई है। राज ठाकरे नारायण राणे के लिए रैली करेंगे। राज ठाकरे की सभा 4 मई को शाम 7 बजे होगी। राज ठाकरे कणकवली में उप अस्पताल के सामने एक सार्वजनिक सभा करेंगे। बीजेपी ने रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से नारायण राणे को उम्मीदवार बनाया है, जबकि उद्धव ठाकरे की पार्टी शिव सेना से विनायक राउत मैदान में हैं। राज ठाकरे और नारायण राणे जब शिव सेना में थे तब भी उन्होंने साथ काम किया था। अब कोंकण की जनसभा में राज ठाकरे क्या कहेंगे इस पर सभी की निगाहें हैं? रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट पर शिवसेना और बीजेपी के बीच कड़ी टक्कर है।

चंद्रबाबू एक गठबंधन में और जगन चमचा: शर्मिला

तेलंगाना। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) प्रमुख वाईएस शर्मिला ने सोमवार को आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू भाजपा के चमचे हैं। शर्मिला ने राज्य की 175 विधानसभा सीटों और 25 लोकसभा सीटों के लिए 13 मई को एक साथ होने वाले चुनाव के लिए अपने चुनाव अभियान के तहत काकीनाडा में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राज्य एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा। बाबू (नायडू) और जगन से कोई फायदा नहीं। दोनों भाजपा से मिले हुए हैं। एक गठबंधन में है और दूसरा चमचा है। शर्मिला के मुताबिक, बीजेपी ने दक्षिणी राज्य को कभी न पूरा होने वाला झटका दिया है। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी ने आंध्र प्रदेश को 10 साल के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था लेकिन उसे धोखा दिया। इसके अलावा, एपीसीसी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पोलावरम परियोजना की उपेक्षा की है और कहा कि इन वास्तविकताओं के बावजूद, नायडू और रेड्डी भगवा पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं।

हम डरने वाले नहीं, मुंहतोड़ जवाब देंगे: रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो को लेकर तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी का बड़ा बयान सामने आया है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अभी तक पीएम मोदी और अमित शाह चुनाव जीतने के लिए ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स का इस्तेमाल करते थे लेकिन आज मुझे पता चला कि दिल्ली पुलिस तेलंगाना कांग्रेस पार्टी के दफ्तर तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि किसी ने सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट किया और वे तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष और तेलंगाना सीएम को गिरफ्तार करने आए हैं। इसका मतलब है कि नरेंद्र मोदी अब चुनाव जीतने के लिए दिल्ली पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि कोई डरने वाला नहीं है, हम आपको मुंहतोड़ जवाब देंगे। गौरतलब है कि सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छेड़छाड़ किए गए वीडियो से संबंधित मामले की जांच में शामिल होने के लिए 1 मई को दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ इकाई (साइबर यूनिट) के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है। रेड्डी को कथित तौर पर एक्स पर फर्जी वीडियो पोस्ट करने के लिए इस्तेमाल किए गए अपने मोबाइल फोन के साथ पेश होने के लिए कहा गया है।

कांग्रेस के घोषणापत्र से मचा है सियासी घमासान

पी. चिदंबरम

ऐसा लगता है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सद्भावना और सहयोग के अभूतपूर्व संकेत के तौर पर कांग्रेस के घोषणापत्र को एक बार फिर से अपनी ओर से लिखने और अपने विचारों को उसमें शामिल करने की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। उनका मानना है कि राजनीतिक संवाद को बेहतर बनाया जाए। बीते सप्ताह जितना कुछ भी प्रधानमंत्री ने कहा उसके बाद मेरी राय तो यही है।

14 अप्रैल को जब भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी किया गया था, यह स्पष्ट हो गया था कि मोदी, राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गठित समिति के द्वारा तैयार किए गए दस्तावेज से खुश नहीं थे। समिति ने भी चुपचाप इस बात को स्वीकार कर लिया कि यह किसी राजनीतिक दल का घोषणापत्र नहीं है, बल्कि किसी एक आदमी की महानता को श्रद्धांजलि है, जिसने पार्टी को तैयार किया है। समिति ने उस दस्तावेज को मोदी की गारंटी का नाम देकर अपनी कृतज्ञता जाहिर कर दी। हालांकि पीएम मोदी ने 'जैसा सोचा था वैसा हुआ नहीं' और मोदी की गारंटी वाली बात इसके जारी होने के कुछ ही घंटों के बाद गायब हो गई। आज न तो कोई भाजपा के घोषणापत्र की बात करता है और न ही अब मोदी की गारंटी की गूंज सुनाई देती है।

पीएम मोदी भी अब मोदी की गारंटी को नकार नहीं सकते और न ही मसौदा तैयार करने वाली समिति को अक्षम बता सकते हैं। अब उन्होंने नई चाल चलते हुए कांग्रेस के घोषणापत्र पर अपनी टिप्पणी करके इस घोषणापत्र को पढ़ने वालों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। यह भारतीय साहित्य की उन महान परंपराओं की तरह ही है, जहां टिप्पणियां किए गए कार्यों से अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। मोदी द्वारा कांग्रेस के घोषणापत्र की नए सिरे से राजनीतिक व्याख्या में निम्नांकित तथ्य शामिल हैं- कांग्रेस लोगों की जमीन, सोना और अन्य कीमती सामान मुसलमानों में बांटेगी। कांग्रेस व्यक्तियों की संपत्ति, महिलाओं के पास मौजूद सोने और आदिवासी परिवारों के पास मौजूद चांदी का मूल्य निर्धारण करने और उन्हें छीनने के लिए सर्वेक्षण कराएगी। सरकारी कर्मचारियों की जमीन और नकदी कांग्रेस द्वारा जब्त और वितरित की जाएगी। डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला दावा मुसलमानों का है और जब डॉ. सिंह ने यह बात कही तो मैं (गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में) मौजूद था। कांग्रेस आपका मंगलसूत्र और स्त्रीधन छीन लेगी और उन लोगों को दे देगी, जिनके अधिक बच्चे हैं। अगर आपके पास गांव में घर है और आप शहर में एक छोटा सा फ्लैट खरीदते हैं, तो कांग्रेस उनमें से एक घर छीन लेगी और किसी और को दे देगी। साथ काम करने वालों के बीच प्रतिस्पर्धा। पीएम मोदी के भरोसेमंद सिपहसालार और सलाहकार, अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस मंदिरों की संपत्तियों को जब्तकर लोगों में बांट देगी, जबकि राजनाथ सिंह ने कहा, कांग्रेस लोगों की संपत्ति हड़प लेगी और उन्हें घुसपैठियों को फिर से बांट देगी। अगले ही दिन, राजनाथ सिंह ने अपनी टिप्पणी में यह कहकर एक और रत्न जड़ दिया कि कांग्रेस ने सशस्त्र बलों में धर्म-आधारित कोटा शुरू करने की योजना बनाई थी। जैसे-जैसे टिप्पणीकारों की संख्या बढ़ती गई , वे एक-दूसरे से आगे निकलते गए। दूसरी तरफ मोदी को पता चला कि कांग्रेस %विरासत कर% लागू करने की योजना बना रही थी और उन्होंने इस कर के खिलाफ आवाज उठाई। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी टिप्पणी वाले रणक्षेत्र में कूद पड़ीं और 'विरासत कर' को लेकर अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया। हालांकि उन्हें जानकारी के अभाव में इस बात के लिए माफ किया जा सकता है कि संपत्ति शुल्क (एक प्रकार का विरासत कर) को 1985 में कांग्रेस सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया था और संपत्ति कर 2015 में भाजपा सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया था। यह देखना मुश्किल नहीं है कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर एक साथ हमला क्यों और कब शुरू हुआ ? 19 अप्रैल को पहले दौर के मतदान के बाद ही पीएमओ और भाजपा में घबराहट फैल गई है। पीएम मोदी ने 21 अप्रैल को राजस्थान के जालौर और बांसवाड़ा में जो हमला शुरू किया, वह उसके बाद से रुके नहीं। भाजपा ने जिन काल्पनिक लक्ष्यों की सूची बनाकर कांग्रेस पर हमला शुरु किया, वह अटपटा सा था। उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने भी खूब शब्दबाण छोड़े। इस बात को लेकर मीडिया का कर्तव्य बनता था कि वह इस पागलपन को रोकने के लिए आवाज उठाए, लेकिन इसके बजाय, समाचार पत्रों ने विवादास्पद विषयों की 'व्याख्या' की और एक से बढ़कर एक संपादकीय लिखे। टीवी चैनलों ने राजनीतिक पंडितों के साक्षात्कार ले-लेकर चर्चा की। पीएम मोदी द्वारा शुरू किया गया नकली युद्ध कई गुना बढ़ गया।

मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, सुरक्षाबलों पर की थी गोलीबारी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। इस मामले की पुष्टि सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने की है।

उन्होंने बताया कि किस्टाराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत पेसेलपाड़ और आस-पास के जंगलों में किस्टाराम एरिया कमेटी के माओवादिओं की उपस्थिति की सूचना मिलने पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड), बस्तर फाइटर और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को गश्त पर रवाना किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि दल आज सुबह करीब सात बजे क्षेत्र में था तब नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि कुछ देर तक गोलीबारी करने के बाद नक्सली भाग गए।

बाद में जब सुरक्षाबलों ने घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां एक नक्सली का शव और हथियार बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए नक्सली की पहचान नहीं हो पाई है। क्षेत्र में खोज अभियान जारी है।

उन्होंने बताया कि इस घटना के साथ इस वर्ष अब तक बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में 81 नक्सली मारे गए हैं। क्षेत्र के कांकेर जिले में 16 अप्रैल को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे।

नक्सलियों को समझना होगा कि बंदूक से अस्पताल-स्कूल नहीं बनते : विजय शर्मा

रायपुर। बेमेतरा में हुए सड़क हादसे पर उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा का बयान सामने आया है। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस के स्टार प्रचारकों के प्रदेश दौरे पर निशाना साधा है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अभी नींद से जागे होंगे। साथ ही सुकमा में हुए मुठभेड़ पर उन्होंने कहा कि नक्सलियों को समझना होगा कि बंदूक से अस्पताल, स्कूल नहीं बनते। जो भी मुख्यधारा से जुड़ना चाहे उनका स्वागत हैं।

उन्होंने कहा कि बेमेतरा हादसे में 9 लोगों की मृत्यु

हुई है। सभी घायल रायपुर के एम्स और नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती हैं। घायलों और उनके परिवारजनों से चर्चा हुई है। मृतकों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रही है।

डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि जनजागरण की जरूरत है। ड्राइवर को समझाने की जरूरत है। गांव में इस तरह की गाड़ियां आम है। बातचीत और जनजागरण से रास्ता निकलेगा। हादसे में परिवारजनों के लिए सहायता राशि की मदद पर उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के ध्यान में सारा विषय है। आगे जरूर उन्हें सहायता मिलेगी। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों के छत्तीसगढ़ दौरे पर विजय शर्मा ने कहा कि स्टार प्रचारक जरूर आएंगे। हमारे तरफ से भी अनवरत आ रहे हैं। हम लोगों ने प्रारंभ से लेकर इसे जारी रखा है। कांग्रेस अभी नींद से जागे होंगे।

पूर्व सीएम के प्रचार अभियान पर डिप्टी सीएम ने कहा, कांग्रेस ने भूपेश बघेल के नेतृत्व में पहले भी चुनाव लड़ा था और हार गए थे। बहुत से उनके चुनाव के वादे पूरे नहीं हुए थे। बहुत अपराधिक कृत्य सामने आए थे। इसलिए जनता ने उन्हें नाकारा था। सुकमा की मुठभेड़ पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा, ईश्वर से प्रार्थना है कि सुखद समाचार हो। बातचीत का रास्ता अपनाया जाए। नक्सलियों को समझना होगा कि बंदूक से अस्पताल, स्कूल नहीं बनते। जल, जंगल, जमीन उनका है वे कहते हैं तो चर्चा कर फाइनल कर लें। ऐसे ही पहल की जा सकती है। वे वीडियो कॉल पर ही बात कर लें। नक्सलियों के लिए पुनर्वास की अच्छी नीति हम लेकर आएंगे, उसकी घोषणा जल्द होगी, जो भी मुख्यधारा से जुड़ना चाहे उनका स्वागत हैं।

बागेश्वर धाम सरकार के दरबार में चोरी करने वाली लूटेरी गैंग का भंडाफोड़

मनेंद्रगढ चिरमिरी भरतपुर। चिरमिरी में पंडित धीरेंद्र शास्त्री का कथा सुनने आए चार महिलाओं ने लूटपाट किया जिसको चिरमिरी पुलिस ने चार महिलाओ को गिरफ्तार किया महिलाओ ने लगभग दंश महिलाओ के साथ लूट के वारदात को अंजाम दिया। है। मामला चिरमिरी थाने क्षेत्र के गोदरीपारा का हैं।

जानकारी के मुताबिक, चिरमिरी के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में हनुमंत कथा वाचन का कार्यक्रम आयोजित है। इस कार्यक्रम में बागेश्वर धाम के महाराज धीरेन्द्र शास्त्री हनुमंत कथा का वाचन कर रहे हैं। 26 अप्रैल को हजारों की संख्या श्रद्धालु कार्यक्रम में कथा सुन रहे थे। तभी इस भीड़ में मौजूद कुछ महिलाओं ने लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। लूटेरी गैंग की महिलाओं ने ऐसी महिलाओं को निशाना बनाया, जो सोने के जेवरात पहनी हुई थीं।

कथा खत्म होने के बाद जब महिलाएं पंडाल से निकलने लगीं, तो आरोपी महिलाओ ने उन्हें अपना निशाना बनाया। किसी का सोने के जेवर, गले का चेन, सोने का मंगलसूत्र आदि लूट कर भाग निकले। जब इसकी शिकायत पुलिस को मिली तो शक के आधार पर चार महिलाओं से पूछताछ की गई। चारों महिलाओं ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। जिसके बाद इनके पास से लूटे गए सोने के आभूषण पुलिस ने जब्त किए।

टीआई अमित कौशिक ने कहा चिरमिरी के पंडित धीरेंद्र शास्त्री का राम कथा का कार्यक्रम के दौरान अज्ञात महिलाओं ने चैन और मंगलसूत्र चोरी किया था। पीड़ितों के लिखित शिकायत पर जांच शुरू की गई। संदेह पर पुलिस ने चार महिलाओं को पकड़ा और पूछताछ की, जिसमें उन्होंने चोरी करना कबूला है। महिलाओं से मंगलसूत्र और सोने की चेन को जब्त किया है। कुल 15 ग्राम सोने की चेन, जिसकी कीमत लगभग तीन लाख है, जब्त किया है। चारों महिलाओं को गिरफ्तार करके न्यायिक डिमांड पर जेल भेजा गया है।

लूटेरी गैंग की महिलाओं ने आधा दर्जन से ज्यादा लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इस वजह से पुलिस थाना में गहने चोरी के शिकायत की लाइन लग गई थी। पुलिस ने चारो आरोपी महिलाओं के पास से लगभग तीन लाख के सामान जब्त किए हैं। आरोपी महिलाओ के खिलाफ लूट का अपराध की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर उन्हें न्यायिक डिमांड पर जेल भेजा गया है।

75 समितियों के माध्यम से 2 लाख 70 हजार 600 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य

जगदलपुर। बस्तर संभाग के 04 वन मंडल जगदलपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा व बीजापुर वन मंडल में तेंदूपत्ता संग्रहण जारी है। तेंदूपत्ते के अलावा यहां साल बीज, इमली, आंवला, महुआ, हर्रा, बहेड़ा, चिरौंजी, धवई, भेलवा, सतावर, कालमेघ, लाख, गोंद, आदि का संग्रहण भी बहुतायत से होता हैं। यह ग्रामीणों के आर्थिक स्रोत का प्रमुख साधन है, सरकार 65 तरह के वनोपज की खरीदी करती है। वन विभाग ने बस्तर वृत्त के चारों वन मंडलों में 75 समितियों के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य 02 लाख 70 हजार 600 मानक बोरा तय किया है। लक्ष्य पूरा हुआ तो संग्राहकों को सिर्फ मजदूरी के एवज में ही 5500 के निर्धारित दर से 148 करोड़ 83 लाख रुपए मिल जाएंगे, सरकार से बोनस भी अलग से मिलेगा।

मुख्य वन संरक्षक आरसी दुग्गा ने बताया कि बस्तर में वनोपजों के कुल संग्रहण में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी तेंदूपत्ता का है, और ग्रामीणों को सबसे ज्यादा बोनस सहित आमदनी इसी से प्राप्त होती है। इसके बाद साल बीज हर्रा, बहेड़ा, आंवला व अन्य वनेंपज हैं। उन्होने बताया कि सबसे महंगा पत्ता बीजापुर के पुजारी कांकेर का 12199 प्रति मानक बोरा की दर पर बिका है। सुकमा वनमंडल में प्रति मानक बोरा की अधिकतम दर (एर्राबोर के पत्ते) 6309 रुपए आई है। वहीं सबसे कम दर का पत्ता भी सुकमा वन मंडल के जग्गावरम का बिका है, जिसकी बोली 2109 रुपए प्रति मानक बोरा आई है। उन्होने बताया कि अनुकूल मौसम में लक्ष्य पूरा हो जाएगा। एक मानक बोरा तेंदूपत्ता में कुल 1000 गड्डी होती है। प्रत्येक गड्डी में 100 पत्ते होते हैं। पत्ता जितना ज्यादा महंगा बिकेगा उतना ज्यादा बोनस ग्रामीणों के खाते में आएगा।

सिंधी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 11 मई

जगदलपुर। सिंधी पंचायत के मार्गदर्शन में सिंधी नवयुवक मंडल सिंधी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 11 मई से फ्लड नाईड हाथा मैदान में किया गया है। सिंधी समाज के अध्यक्ष मनीष मूलचंदानी ने बताया कि सिंधी प्रीमियर लीग क्रिकेट आयोजन पहली बार सिंधी नवयुवक मंडल द्वारा करवाया जा रहा, 10 क्रिकेट टीम तैयार की गई, इन सभी सिंधी क्रिकेट टीम के नाम हम अपने ईष्ठ देव एवं पूज्य सन्तो के नाम से बनाए है।

सिंधी नवयुवक मंडल अध्यक्ष शिवम बसन्तवानी ने बताया सिंधी प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच फ्लड नाईड हाथा मैदान में 11 मई से खेला जाएगा, इस सिंधी प्रीमियर लीग टूर्नामेंट में 10 टीमों में 14-14 खिलाड़ी होंगे सभी खिलाड़ी जर्सी में मैदान पर उतरेंगे। पहली बार सिंधी समाज मे करवाए जा रहे क्रिकेट मैच के लिए उम्र 16 से लेकर 60 वर्ष तक के खिलाड़ी प्रतिभागियों को लिया गया है। सिंधी क्रिकेट प्रतियोगिता के संचालन में विशाल दुल्हानी, यश मेठानी, मयंक नत्थानी, गौरव लालवानी, करन बजाज, गोपाल तीर्थानी की मुख्य भूमिका है।

सिंधी नवयुवक मंडल के गौरव लालवानी ने बताया सिंधी प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच में टीम ओनर एवं टीम के नाम इस प्रकार है सन्त हिरदाराम किंग्स, सन्त कंवरराम वारियर्स, साई युधिष्ठिर लाल जेंट्स, साई कृष्णदास टाइटंस, साई सहेरा वाले रिसेर्स, साई साधराम साहिब किंग्स 11, शहीद हेमू कालाणी रॉयल्स, साई झूलेलाल सेना, साई लालदास चैलेंजर्स, स्वामी लीलाशाह रुप, एसपीएल क्रिकेट के टीम ऑनर्स को निजी होटल में आमंत्रित कर सभी 10 टीमों के लिए ऑक्शन में 14-14 खिलाडियों को लिया गया। इस क्रिकेट खिलाड़ी ऑक्शन में सिंधी पंचायत अध्यक्ष मनीष मूलचंदानी, सुनील दण्डवानी, हरेश नागवानी, विशाल दुल्हानी, सुरेश मेठानी, किशोर मनवानी, बसन्त मेघानी, राजेश दुल्हानी, डुला लछानी, संतोष बसरानी, शिवम बसन्तवानी की उपस्थिति रही।

बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता बैलेट के माध्यम से घर बैठे डाल रहे वोट

बलौदाबाजार। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ होते ही बलौदाबाजार जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से जिले के 85 वर्ष से अधिक और ऐसे दिव्यांग जो मतदान केंद्र नहीं पहुंच सकते, उनके लिए मतदान दलों को उनके घर भेजकर बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान करवाया जा रहा है। जिले में ऐसे 178 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता है जिन्होंने आवेदन दिया था, जिनके घर आज मतदान दल पहुंचकर मतदान करवा रहे हैं।

कलेक्टर केएल चौहान ने बताया कि जिले में 178 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने आवेदन किया था। इसके बाद आज मतदान दलों को आवश्यक सामग्रियों के साथ उनके घरों में भेजा गया है, जहां वे बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता सरकार की इस पहल से बड़े खुश नजर आ रहे हैं। बलौदाबाजार के 69 वर्षीय दिव्यांग नरेंद्र चांवला ने सरकार की इस पहल के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि बुजुर्ग और हम जैसे दिव्यांग जनों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है। आज हम भी लोकतंत्र का एक हिस्सा बनकर मतदान किए हैं।

वहीं मतदान दलों की ओर से मतदान के बाद बुजुर्गों का बुके देकर सम्मान किया गया। जिले के भाटापारा निवासी 100 वर्षीय बिसाहिन बाई, बलौदाबाजार निवासी 85 वर्षीय रामप्यारी ठाकुर, ग्राम अमेरा निवास 88 वर्षीय जानकी बाई पटेल और 69 वर्षीय नरेंद्र चांवला ने मतदान किया है और आगे प्रक्रिया जारी है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सूर्या मोटर्स में लगी आग दर्जनभर से ज्यादा स्कूटर खाक

भिलाई। भिलाई के पावर हाउस स्थित सूर्या मोटर्स में अचानक आग लग गई जब तक अग्मिशमन दल घटनास्थल पर पहुंचता तब तक दर्जन भर से ज्यादा स्कूटर जलकर खाक हो गया। इस आगजनी में संचालक को काफी नुकसान हुआ। कमांडेंट नागेन्द्र सिंह ने बताया कि घटना रविवार सुबह की है। सूर्या मोटर्स के संचालक चंदन शर्मा की सूचना पर अग्मिशमन दल के कमांडेंट नागेन्द्र सिंह अपने दल बल के साथ वहां पहुंचे और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझा लिया गया। लेकिन शोरुम में रखे पांच नई और तीन चार पुरानी ईवी वीकल्स थी जिसमें 2 नई और तीन पुरानी वीकल के साथ दर्जनभर स्कूटर जलकर खाक हो गया। इसके अलावा फर्नीचर और फाल सिलिंग जल गई। प्राथमिक दृष्टि में शॉर्ट सर्किट से आग लगना प्रतीत हो रहा है। यह पूरा मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

सिलेंडर हुआ लीकेज, चपेट में आने से माँ और दो बच्चे झुलसे

भिलाई नगर। दूध गर्म करते समय अचानक सिलेंडर लीकेज हो गया और इसकी चपेट में माँ आशा नायक आ गई और उसे बचाने के लिए इनके दो बच्चे आग की चपेट में आई गई वे भी झुलस गए। तीनों को पड़ोसियों ने सुपेला अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस हादसे में महिला का चेहरा और हाथ पैर झुलस गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुपेला में रहने वाली आशा नायक अपने दो बच्चों के साथ किचन में दूध गर्म कर रही थी, इसी बीच अचानक से सिलेंडर में लीकेज होने लगा और देखते ही देखते आग निकलने लगी और आशा आग की चपेट में आ गई, इसके बाद आशा चिल्लाने लगी, उन्हें बचाने के लिए पास में बैठे उनके दोनों बच्चे भी इसकी चपेट में आ गई। तेज आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग आशा नायक के घर पहुंचे और तत्काल आग को बुझाकर तीनों को सुपेला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उनका तुरंत इलाज शुरु किया, फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर है।

न्यूज पोर्टल चलाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बिलासपुर। फर्जी वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने वाले एक न्यूज पोर्टल चलाने वाले के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार आरोपी विकास रोहरा ने कुछ माह पहले कारोबारी प्रकाश ग्वालानी, विनीता भागवानी और अजय भीमनानी का एक वीडियो बनाया था जिसमें उसने कई काट छांट कर दिए और इसे वायरल करने की धमकी देता रहता था। बीते 10 अप्रैल को चेट्रीचंड उत्सव के मौके पर निकली शोभायात्रा के दौरान गोलबाजार में आरोपी विकास रोहरा ने प्रार्थी गोवर्धन मोटवानी से कैमरे के सामने बाइट देने के लिए कहा। प्रार्थी को एडिटेड वीडियो के वायरल करने की धमकी के बारे में पता था, उन्होंने आरोपी को कैमरे के सामने कोई भी बात करने से मना कर दिया। इस पर आरोपी ने उसे तुम जमीन खरीदी बिक्री का काम करते हो, तुम्हारे खिलाफ भी वीडियो बनाकर बदनाम कर दूंगा। बदनामी से बचना है तो दो लाख रुपये दो। आरोपी के द्वारा बार-बार पैसे मांगने से परेशान होकर प्रार्थी ने पुलिस में इसकी शिकायत की।

धर्म परिवर्तन करने वाले मृतक को शमशान में नहीं दी जमीन

जगदलपुर। जिले के छिंदबाहर गांव में धर्म परिवर्तन करने वाले एक परिवार के मृतक के अंतिम संस्कार के लिए जमीन नहीं देने के विवाद पर हाईकोर्ट का फैसला सामने आया है। इस मामले में परिवार ने हाईकोर्ट में अपील की थी। इसके बाद कोर्ट ने निजी जमीन पर शव दफनाने के लिए निर्देश दिया। दरअसल, 25 अप्रैल को जगदलपुर के छिंदबाहर में सार्थिक कोर्राम परिवार के युवक की मौत हो गई थी। इसके बाद गांव के लोगों ने गांव में ही अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। परिवार के लोगों को शमशान में जमीन नहीं देने पर विरोध प्रदर्शन किया। इस पर विरोध बढ़ता देख परिवार के लोगों ने हाईकोर्ट में मामले को लेकर अपील की। फिर कोर्ट के निर्देश पर पुलिस सुरक्षा में निजी जमीन पर मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। गौरतलब है कि बस्तर में धर्मांतरण से जुड़े विवाद को लेकर स्थानीय आदिवासी समुदाय और धर्मांतरित परिवारों के बीच इस तरह के विवाद बार-बार सामने आ रहे हैं। इससे कई बार कानून व्यवस्था की समस्या पैदा हो रही है।

कंकाल मिलने की सूचना पर मचा हड़कप

कोरबा। आपने खोदा पहाड़ निकली चुहिया वाली कहावत सुनी होगी यह कहावत सही साबित हुई जब नर कंकाल मिलने की सूचना पर पुलिस की टीम फॉरेंसिक एक्सपर्ट और वन कर्मियों के साथ बालको बेला के समीप दो पहाड़ियों को पार कर दुर्गम क्षेत्र में स्थित कर खेत नाला के समीप पहुंची निरीक्षण के दौरान मौके पर कंकाल तो मिले लेकिन कंकाल लंगूर के थे जिसमें जंग लगा हुआ एक तीर भी था। आशंका जताई जा रही है कि तीर लगने से लंगूर की मौत हुई होगी हालांकि कंकाल की फोरेंसिक जांच के बाद ही मामले का खुलासा होगा। कोरबा वन मंडल में 2 दिन पूर्व संस्था के सदस्य सर्वे के लिए कोरबा विकासखंड के ग्राम पंचायत बेल के समीप स्थित पहाड़ियों में पहुंची थी टीम की नजर सर्वे के दौरान पहाड़ी की तलहटी में कंकाल पर पड़ी टीम के सदस्यों ने करीब जाकर देखा तो कंकाल देखने से किसी मानव का प्रतीत हो रहा था कंकाल के बीच एक जंग लगा हुआ हथियार भी था जिसकी सूचना बालको पुलिस को दे दी गई।

बेमेतरा में पिकअप वाहन और ट्रक की भीषण टक्कर

- नौ लोगों की मौत, सीएम ने जताया दुख

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। एक पिकअप वाहन और ट्रक की टक्कर हो गई। दर्दनाक हादसे में पांच महिलाओं और तीन बच्चों समेत नौ की मौत हो गई। जबकि 23 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसे पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुख जताया है। वहीं दूसरी घटना स्थल पर आज सुबह दुर्ग आईजी, दुर्ग संभाग कमिश्नर, बेमेतरा एसपी व कलेक्टर ने निरीक्षण किया है।

सीएम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि बेमेतरा-सिमगा सीमा क्षेत्र के पास कठिया गांव में हुई सड़क दुर्घटना में बेमेतरा के पथर्रा गांव के

9 लोगों के निधन एवं 20 लोगों के घायल होने की दु:खद सूचना प्राप्त हुई है। घायलों के बेहतर इलाज के आवश्यक निर्देश जिला प्रशासन को दिए गए हैं। मृतकों के परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

तीन शव का पीएम बेमेतरा जिला अस्पताल में, चार शव का पीएम सिमगा के सरकारी अस्पताल में, एक शव का पीएम रायपुर में हो रहा है। बेमेतरा व सिमगा में पीएम हो गया है। आज सभी शवों का अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम पथर्रा जिला में किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, हादसा बेमेतरा थाना इलाके के कठिया गांव में पेट्रोल पंप के पास हुआ। बताया जा रहा है कि सड़क के किनारे खड़े ट्रक में पिकअप वाहन टकराने से दर्दनाक हादसा हुआ है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार देर रात कठिया गांव के पास हुई, पीड़ित एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। हादसे का शिकार सभी लोग पथर्रा गांव के निवासी थे, तिरैया गांव में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहे थे।

अधिकारी ने बताया कि पिकअप वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। मृतकों की पहचान भूरी निषाद (50), नीरा साहू (55), गीता साहू (60), अगनिया साहू (60), खुशबू साहू (39), मधु साहू (5), रिकेश निषाद (6) और ट्विंकल निषाद (6) के रूप में हुई है। एक की पहचान बाकी है। अधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल 23 लोगों को दो अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बाद में गंभीर रूप से घायल चार लोगों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर ले जाया गया। बाकी घायलों का इलाज जिला अस्पताल बेमेतरा में चल रहा है।

बेमेतरा कलेक्टर रणवीर शर्मा ने बताया कि बेमेतरा हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है और 23 घायल हैं जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाजपा विधायक दीपेश साहू ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। साहू ने कहा कि जिले में हुआ यह एक दुखद सड़क हादसा है। एक वाहन ने खड़े दूसरे वाहन को टक्कर मार दी। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पटेवा सरपंच व पंचों ने किया भाजपा प्रवेश

अभनपुर। विधायक इंद्रकुमार साहू के ग्राम पटेवा में जनसंपर्क के दौरान पटेवा के सरपंच श्रीमति भेनमति पाल, पूर्व सरपंच राजू पाल सहित पंचो ने भाजपा प्रवेश किया। साहू ने भगवा गमछा पहनाकर सबका स्वागत किया। इस दौरान नवापारा भाजपा मण्डल अध्यक्ष उमेश यादव,महामंत्री नवल साहू, भाजयुमो अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा, पूर्व पार्षद सौरभ जैन, विहिप नेता मुकुंद मेश्राम, संजय साहू, धीरज साहू, प्रेम साधवानी, किसान मोर्चा महामंत्री कैलाश तिवारी, महिला मोर्चा से धनमती साहू व सरपंच दुलना उमेश साहू प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

साहू ने कहा कि भाजपा एक पार्टी नहीं बल्कि एक परिवार है, आज ये सभी किसी पार्टी में नहीं बल्कि देश के सबसे बड़े परिवार के साथ जुड़ रहे है। निश्चित रूप से यह सब भाजपा की अच्छी व सच्ची रणनीति का परिणाम है। उन्होंने सभी नवप्रवेशी को बधाई देते हुए उन्हें अपने परिवार में स्वागत किया। जिन्होंने भाजपा प्रवेश किया उनमे पटेवा सरपंच श्रीमति भेनमति पाल, पूर्व सरपंच राजू पाल, पंच मिथलेश साहू, तरुण ध्रुव, रुपेश कुमार साहू, राम श्याम शर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, कोमल तारक, शिवनारायण साहू, लक्की साहू, वेदप्रकाश साहू, सूरज साहू व मोरधु यादव शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

1 मई को अमित शाह कोरबा में करेंगे चुनावी सभा

रायपुर। लोकसभा के तीसरे चरण का चुनाव छत्तीसगढ़ के 7 सीटों में 7 मई को होगा। इसे लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल मतदाताओं को रिझाने में लगे हुए है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 1 मई को कोरबा लोकसभा क्षेत्र के कटघोरा कटघोरा के मेला ग्राउंड में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे और सरोज पांडे के लिए वोट मांगेंगे।

महतारी वंदन योजना की तीसरी किस्त एक मई को आएगी आपके बैंक खाते में

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के पहले ही महतारी वंदन योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं को एक-एक हजार रुपए की तीसरी किस्त की राशि 1 मई को मिलेगी। इस योजना के तहत राज्य की 70 लाख से ज्यादा लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में तीसरी किस्त के रूप में लगभग 700 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के जरिए अंतरित की जाएगी। महिला व बाल विकास विभाग ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा के अनुरूप महतारी वंदन योजना की तीसरी किस्त की राशि का भुगतान हर महीने के पहले सप्ताह में ही किया जाना है। मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में कई चुनावी जनसभाओं में भी महतारी वंदन योजना की तीसरी किस्त की राशि का भुगतान तीसरे चरण के मतदान के पहले ही जारी किए जाने की घोषणा जा चुकी है।

मतदान दलों को निगम द्वारा नींबू पानी पिलाने की योजना

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने मतदान दलों को भोजन का पैकेट देने के साथ लू से बचाने नींबू पानी पिलाने की योजना बनाई है। इसके लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी देकर रूपरेखा तैयार की जा रही है। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर निगम क्षेत्र के 750 बूथों में मतदान दलों को भोजन पैकेट देने की तैयारी पहले ही कर ली गई है। अब वहां नींबू पानी बांटने की भी योजना बनाई जा रही है जिससे मतदान दलों को गर्मी से राहत मिले और लू से भी बचाव हो सके। इसके व्यवस्था करने के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी दी जा रही है। पांच या पांच से अधिक मतदान केंद्र वाली जगहों पर अलग - अलग लोगों की ड्यूटी लगाई जाएगी। वहीं पांच से कम मतदान केंद्रों वाली जगहों में आसपास के 5 मतदान केंद्रों वाले अधिकारियों को वहां का भी जिम्मा दिया जाएगा। साथ हर जगह निगम कर्मी मौजूद रहेंगे। 6 और 7 मई को मतदान दलों को भोजन का पैकेट भी निगम द्वारा दिया जाएगा। इसकी भी तैयारी कर ली गई है।

निगम कमिश्नर स्वयं कर रहे गीला और सूखा कचरा का निरीक्षण

रायपुर। रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर निगम के सभी 10 जोनों के द्वारा गीला और सूखा कचरा अलग - अलग लेने पर जोर दिया जा रहा है। सभी जोनों के स्वास्थ्य अधिकारी स्वच्छता दीदियों के साथ घूमकर कचरा अलग - अलग देने हेतु नागरिकों को जागरूक कर रहे हैं। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही ने सोमवार सुबह गुढियारी के जनता कालोनी क्षेत्र में घर-घर जाकर गीला और सूखा कचरा अलग-अलग लेने के कार्य का अवलोकन किया। इस क्षेत्र में करीब 75 फीसदी नागरिक कचरे को अलग - अलग कर दे रहे हैं। यहां जोन स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिया गया कि स्वच्छता दीदियों के माध्यम से सभी नागरिकों को जागरूक कर कचरा अलग कर देने हेतु जागरूक कर 100 फीसदी कचरा अलग लेने हेतु जागरूक किया जाए। डॉ. पाणिग्रही ने अशोक नगर और शिवानंद नगर में चल रहे सफाई कार्यों का अवलोकन किया। सभी जगह सफाई कर्मचारियों की गिनती की करवाई जहां कर्मचारियों की उपस्थित सन्तोष जनक पाई गई। दो दिन पहले निगम कमिश्नर श्री मिश्रा ने भी जोन क्रमांक 1 में कचरा संग्रहण कार्य का अवलोकन किये थे। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि गीला और सूखा कचरा सेकेंडरी कलेक्शन पाइट तक अलग-अलग होकर ही पहुंचे। जिसकी निगरानी लगातार की जाएगी। इस कार्य के लिएमुख्यालय में पदस्थ दो जेडएचओ को 5 - 5 जोन का कार्य दिया गया है।

महाविद्यालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का आज होगा समापन

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय (पुरानी बस्ती रायपुर) एवं महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय (रायपुर) के संयुक्त तत्वावधान में न्यू मेथोडोलॉजी इन रिसर्च प्रजेंटेशन विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन आज होगा। महंत कॉलेज के सभागार में आयोजित होने वाले समापन समारोह में पंडित सुन्दरलाल शर्मा विश्वविद्यालय (बिलासपुर) के कुलपति डॉ बंशगोपाल सिंह मुख्य अतिथि होंगे। शिक्षा प्रचारक समिति (रायपुर) के अध्यक्ष अजय तिवारी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में प्रबंध संस्थान के अध्यक्ष एवं प्रोफ़ेसर डॉ एके श्रीवास्तव, तथा महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं अग्रसेन महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ वीके अग्रवाल, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहेंगे। इस अवसर पर कार्यशाला में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए जायेंगे।

हार देख कर स्तरहीन हथकंडे अपना रही कांग्रेस : साय

■ अमित शाह के वीडियो से छेड़छाड़, मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा- वीडियो एडिट कर फैलाया जा रहा भ्रम

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वीडियो से छेड़छाड़ कर आरक्षण खत्म करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कांग्रेस के ऐसे दुष्प्रचार पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि ऐसी हरकतें बिल्कुल सहन नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि अपनी बुरी हार सामने देख कर कांग्रेस अब कोई भी स्तरहीन हथकंडे अपनाने से बाज नहीं आ रही है। दशकों तक आदिवासियों, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग के लोगों को ठगती रहने वाली, वंचित समूहों का शोषण करने वाली कांग्रेस अब फिर से आरक्षण के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रही है। गृह मंत्री अमित शाह के भाषण को भी गलत तरीके से एडिट कर वह भ्रांति फैला रही है।

उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस को स्पष्ट चेतावनी देना चाहता हूं कि आदिवासियों-पिछड़ों-दलितों के खिलाफ ऐसा भद्दा मजाक करने से बाज आये। ऐसी हरकतें बिल्कुल सहन नहीं की जाएगी।

सीएम साय ने लिखा कि कांग्रेस शुरू से ही वंचित समूहों को आगे लाने का, आरक्षण का विरोध करती रही है। कांग्रेस की ऐसी हरकतों की जितनी निंदा की जाय, वह कम है। कांग्रेस को मुस्लिम आरक्षण स्वीकार है लेकिन आदिवासियों और अनुसूचित जाति समूहों, पिछड़ों को मिल रहा अधिकार उसे बर्दाश्त नहीं हो रही है। शर्मनाक।

खुद फोन लगाकर मुख्यमंत्री कर रहे जनता से सीधी बात

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री इन दिनों चुनावी सभाओं और बैठकों में व्यस्त हैं, पर इसके बीच वो समय निकालकर जनता से सीधे बात भी कर रहे हैं। लगभग हर दिन वो मोबाइल से खुद फोन लगाते हैं और सामने वाले को अपना परिचय देकर हाल-चाल पूछते हैं। खासकर महिला समूहों से बात करते समय वो महतारी वंदन योजना के पैसे मिलने का फीडबैक जरूर लेते हैं। जिनके पास फोन जाता है, वो इतने सरल-सहज मुख्यमंत्री की बात सुनकर खुद भी सहज हो जाता है और अपने मन में भरे सवाल भी पूछता है। मुख्यमंत्री उनके हर सवाल का जवाब देते हैं। समाज के अंतिम छोर से अपनी सरकार के कामकाज के फीड बैक लेने का यह तरीका चर्चा का केंद्र है।

मुख्यमंत्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री से एक महिला प्रधानमंत्री आवास पर सवाल कर रही है, तो दूसरी महिला स्वास्थ्य विभाग के वैकेंसी के बारे में पूछ रही है, जिसका मुख्यमंत्री मुस्कुरा कर आचार संहिता के बाद सभी काम होने का भरोसा दिलाते हैं। यहां वे भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील करते भी दिख रहे हैं।

सीएम विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा-

भ्रम फैलाने में व्यस्त है कांग्रेसी, प्रदेश की 11 सीटें जीत रही भाजपा

रायपुर। कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज है, उस पार्टी में अभी बिखराव है। पिछले कुछ समय में हजारों की संख्या में लोगों ने कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा में प्रवेश किया है। उन्हे कैंडिडेट भी नहीं मिल पा रहे हैं। उसको अलग-अलग जगह कैंडिडेट बनाकर भेजना पड़ रहा है। मुद्दाविहीन है कांग्रेस और निश्चित ही इसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को होगा। जनता का भरपूर आशीर्वाद मिल रहा है। इस बार पूरी ग्यारह की ग्यारह सीट हम जीतने वाले हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक साक्षात्कार में उक्त बातें कही।

सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन हो गई है। आजादी के 75 वर्षों में 55-60 साल तक उसकी सरकार रही और उन्होंने देश को छलने का काम किया। इसलिए देश की जनता का विश्वास कांग्रेस पार्टी खो चुकी है और लोगों को भ्रम में डालने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के नेता कुछ भी उल्टी-सीधी बातें कर रहे हैं। यहीं नहीं हमारे शीर्ष नेताओं के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है कांग्रेस पार्टी।

पीएम मोदी के दो साल में नक्सलवाद को खत्म करने की बात पर सीएम साय ने कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार छत्तीसगढ़ में आई है तब से नक्सलवाद के खिलाफ हम मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं। डबल इंजन की सरकार है, केंद्र से भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। जिससे हम लोग मजबूती के साथ ये लड़ाई लड़ पा रहे हैं। अभी तक एक दिन में 29 नक्सलियों को खत्म करना, जिनमें से दो नक्सली बीस-बीस लाख के इनामी भी थे, ये बहुत बड़ी सफलता है। लेकिन हम लोगों ने आत्मसमर्पण का भी ऑप्शन रखा है और छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति है। उसमें विश्वास करके सैकड़ों नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं और उनके साथ सरकार न्याय भी करेगी।

आदिवासियों से संबंधित सवाल पर विष्णुदेव साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से आदिवासियों की चिंता करने वाली पार्टी रही है। जब श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने भारत सरकार में पहली बार आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया। आज आदिवासियों का सम्मान बढ़ाने के लिए देश के सर्वोच्च पद पर हमारे समाज की बहन द्रौपदी मुर्मू विराजमान है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी का बेटा मुख्यमंत्री के रूप में है। वास्तव में भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों की चिंता करती है। पीएम मोदी के आशीर्वाद से यहां के आदिवासियों के विश्वास पर पूरा खरा उतरने का प्रयास रहेगा।

राजनीति के चक्कर में पूर्वजों का अपमान कर रहे हैं राहुल गांधी : विभा सिंह

रायपुर। सैम पित्रोदा के विरासत कर कानून और हाल ही में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के राजा महाराजाओं की संपत्ति को लेकर दिए बयान के बाद खैरागढ़ रियासत की बहू और राजा देवव्रत सिंह की पत्नी विभा देवव्रत ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने देश के राजा और महाराजाओं का अपमान किया है। जनता की संपत्ति छीनना और उन्हें परेशान करना यह सरासर गलत है।

विभा सिंह ने कहा कि राहुल गांधी देश के राजा महाराजाओं का अपमान कर रहे हैं, उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि इन राजाओं और महाराजाओं ने देश के लिए कितने बलिदान और योगदान दिए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत के इतिहास और देश को भी भूल चुके हैं। उन्हें अपनी राजनीति के आगे कुछ याद नहीं है।

विभा सिंह ने कहा कि मैं खैरागढ़ रियासत की बहू हूं। मेरे दादा ससुर स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह और उनकी पत्नी रानी पद्मावती ने महल और देश की संपत्ति को बचाने के लिए कई बार दान किया है। उन्होंने जिस महल को दान किया है आज वह इंदिरा गांधी संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के नाम से विख्यात है। यहां देश-विदेश के छात्र पढ़ने आते हैं और इस वजह से खैरागढ़ का नाम रोशन होता है। कांग्रेस जिस तरह से अपमान कर रही है उसे लगता है कि कांग्रेस महिलाओं के अपमान के साथ ही देश के पूर्वजों का भी अपमान कर रही है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर पुलिस सख्त

■ चेकिंग अभियान चलाकर एक दिन में वसूले लगभग डेढ़ लाख

अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस की जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। वहीं रविवार को जिले के समस्त थाना और चैकियों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान वाहन चलाते समय मोबाइल फोन में बात करने वाले वाहन चालकों, मौके पर वाहनों के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने, रेड सिग्नल जम्प करने वाले वाहन चालकों, दोपहिया वाहन में तीन सवारी वाहन चलाने वाले वाहन चालकों और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले वाहन चालकों, अवैध पार्किंग के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई करते हुए कुल 230 वाहन चालकों से 1 लाख 43 हजार 600 रुपये जुर्माना वसूला गया।

चेकिंग अभियान कार्रवाई के दौरान वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने वाले 52 वाहन चालकों से 15600 रुपये समन शुल्क वसूला गया। मौक़े पर वाहनों के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर 13 वाहन चालकों से 3900 रुपये वसूल किया गया। रेड सिग्नल जम्प करने वाले 16 वाहन चालकों से 4800 रुपये फाइन वसूला गया। दोपहिया वाहन में तीन सवारी चलने वाले 13 वाहन चालकों से 6500 रुपये वसूला गया हैं। लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले 15 वाहन चालकों से 30000 रुपये वसूला गया है। असवैधानिक पार्किंग के मामलों में 7 वाहन चालकों से 3500 रुपये वसूला गया हैं। बिना वर्दी के सार्वजानिक सेवा का वाहन चलाने वाले 6 वाहन चालकों से 1800 रुपये वसूला गया है। साथ ही अन्य यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 17 वाहन चालकों से 47900 रुपये जुर्माना वसूला गया है।

पासपोर्ट कार्यालय अधर में अटका

जगदलपुर। जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट में पासपोर्ट कार्यालय बनकर तैयार है, लेकिन भारत सरकार की तरफ से अब तक अनुमति नहीं मिली है। जिसके चलते भवन में ताला जड़ा हुआ है। बस्तर के लोगों को पासपोर्ट बनवाने अब भी राजधानी रायपुर का लगभग 400 से 500 किमी का सफर तय करना पड़ता है, जिसके कारण खर्च बढने के साथ ही समय भी लगता है। जगदलपुर में पासपोर्ट सेवा केंद्र खुलने की खबर ने लोगों को थोड़ी राहत जरूर दी थी लेकिन पिछले 4 महीने से बंद भवन को देखकर लोग फिर से निराश हो रहे हैं। बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम ने बताया कि इन सभी तकनीकि आवश्यकताओं के साथ भवन निर्माण पूरा हो गया है। भारत सरकार से अनुमति मिलते ही पासपोर्ट कार्यालय शुरू हो जाएगा।

रायपुर में अब नहीं होगी पानी की कमी

■ मुर्रा एनीकेट में पानी भरने गेट बंद बन्द करवाए गए तरीघाट और मुर्रा एनीकेट से छलक कर राजधानी पहुंचेगा पानी

रायपुर। खारुन नदी में तरीघाट एनीकेट से पानी आ जाने के बाद सोमवार को फिल्टर प्लांट एनीकेट का जलस्तर 15 इंच तक बढ़ गया। इसके बाद तरीघाट एनीकेट के गेट को बन्द करने के लिए कह दिया गया। सिंचाई विभाग द्वारा नहर मरम्मत के चलते रायपुर नगर निगम क्षेत्र हेतु पानी सप्लाई पिछले दिनों अचानक बन्द कर दिया गया था। इससे रायपुर शहर में पेयजल संकट गहराने का खतरा बन गया था। जलस्तर घटने लगा था। सबसे अधिक चिंता फिल्टर प्लांट के 150 एमएलडी प्लांट की हो गई थी।

पानी की कमी के चलते प्लांट के पम्प एयर ले लेते और वह बंद पड़ जाता। तब उससे बनाने में ही कई दिन लग जाते और शहर में पानी सप्लाई नहीं हो पाती। स्तिथि की गंभीरता को भांपकर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा तत्काल सक्रिय हुए और उच्च स्तर पर बातचीत की। इसके बाद धमतरी के चटोद में स्थित नहर के शाखा नहर को खारुन नदी से जोड़कर शहर के लिए पानी की व्यवस्था की गई। इससे पहले शहर में पानी के इंतजाम के लिए काठाडीह एनीकेट और मुर्रा नहर को खुलवा लिया गया। इसके बाद तरीघाट एनीकेट के दो गेट खुलवा दिए गए। आज सुबह फिल्टर प्लांट में जलस्तर 15 इंच तक बढ़ गया था, जो कि संतोषजनक है। तब निगम के कार्यपालन अभियंता जल नरसिंह फरेंद्र ने काठाडीह और मुर्रा एनीकेट को जाकर देखा। मुर्रा एनीकेट खाली हो चुका था। किंतु चटोद नहर का पानी वहां पहुंचने लगे है। जिसे देखकर जल संग्रहन हेतु मुर्रा और एनीकेट के एक गेट को बन्द कर देने के लिए कहा गया है। वहां जल संग्रहन होने के उपरांत तरीघाट एनीकेट के गेट को बन्द करवा दिया जाएगा। तब एनीकेट के ऊपर से छलक कर पानी रायपुर के लिए आने लगेगा जो कि शहर के लिए पर्याप्त होगा।

आईपीएल में सट्टेबाजी, भिलाई से अजरुद्दीन समेत तीन आरोपी अरेस्ट

भिलाई। भिलाई में खुलेआम सट्टेबाजी का खेल चल रहा था। उच्च अधिकारियों को मिली शिकायत के बाद पुलिस ने तीन सटोरियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को केसरी लॉज के पास के पावर हाउस से गिरफ्तार किया। सट्टेबाजों के पास से पुलिस ने 8 हजार रुपये कैश और मोबाइल फोन जब्त किया है।

दरअसल, ये पूरा मामला भिलाई के छावनी थाना क्षेत्र का है। यहां पिछले कई दिनों से कुछ लोगों को ऑनलाइन सट्टा खिलाया जा रहा था। मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने क्षेत्र के केसरी लॉज के सामने के पावर हाउस पर धावा बोला। इस दौरान पुलिस ने सट्टेबाजी करते तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इन सट्टेबाजों में अजरुद्दीन उर्फ टिड्डा, उत्तम सिंह और राहुल घोरे शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 हजार रुपये कैश और मोबाइल फोन के साथ अन्य दस्तावेज जब्त किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ ऑनलाइन सट्टा की धारा 7 के तहत कार्रवाई की जा रहा है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर ने कहा भिलाई छावनी थाना क्षेत्र में आईपीएल सट्टेबाजी करने वाले तीन सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया गया है।इनके पास से मोबाइल और नकदी जब्त किया गया है। ये सभी आईपीएल-2024 कप विनर बेस्ट स्टार्टेड इन ऑवर इक्सचेंज साइड पर दांव लगा रहे थे।

पुलिस की मानें तो आरोपियों के खिलाफ ऑनलाइन सट्टा की धारा 7 के तहत कार्रवाई की जा रही है। इन आरोपियों में अजरुद्दीन के पास से एक मोबाइल फोन और 5 हजार रुपया , उत्तम सिंह के पास सफेद रंग की पर्ची सट्टा पट्टी और 2 हजार रुपए नगद के साथ फोन और राहुल के पास सफेद रंद की पर्ची सट्टा पट्टी और एक हजार रुपया बरामद किया गया। कुल मिलाकर तीनों के पास से 8 हजार रुपये बरामद किए गए। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध ग्रीन आर्मी ने किया मरीन ड्राइव में नुक्कड़ नाटक

रायपुर। ग्रीन आर्मी संस्था द्वारा मरीन ड्राइव में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जनजागरूकता रैली एवँ नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। रैली ट्रैफिक थाना से होते हुए मरीन ड्राइव पाथवे से वापस टॉफिक थाने में समाप्त हुई। रैली के दौरान हाथों से लिखी तख्तियां और बेनर लेकर चलते रहे, सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध प्रकृति के दुश्मन तीन पाऊच, पन्नी, पॉलीथिन, नारे लगते रहे जिसे राहगीर भी दोहराते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक का पूर्णतः बहिष्कार करते नजर आए। रैली के दौरान प्लास्टिक रूपी रावण राहगीरों का ध्यानाकर्षण करता रहा।

संस्था मीडिया प्राभारी शशीकांत यदु ने बताया कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग एक बार करने के बाद इसका दोबारा उपयोग नहीं किया जा सकता है, झिल्ली, पन्नी आदि सार्वजनिक स्थानों में बिखरकर गंदगी फैलाते हैं, पशु भी अनजाने में इसका सेवन कर लेते हैं और बीमारियों से ग्रसित होते हैं। आसानी से और सस्ते दाम में मिल जाने के फेर में लोग इसका उपयोग जरूर करते हैं परंतु पर्यावरण को यह सबसे बड़ा नुकसान पहुंचाता है। मवेशीयो, जीव जंतु के साथ मानव जाति के लिए भी यह हानिकारक है, नदी नाले जाम हो रहे है बीमारियां पनप रही है। संस्था द्वारा इन तमाम विषयो को लेकर आम जनमानस के बीच जागरूकता लाने के उद्देश्य से भव्य रैली का आयोजन मरीन ड्राइव रायपुर में किया गया।

इसके पश्चात पेलोटी कालेज की छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर पॉलिथीन मुक्त समाज का संदेश दिया। इस दौरान महिला गुरुकुल महाविद्यालय कालीबाड़ी के छात्र-छात्राएं भी प्रमुख रूप से उपस्थिति रहे। नुक्कड़ नाटक में बताया गया कि सिंगल यूज प्लास्टिक कैसे पर्यावरण एवँ स्वास्थ को नुकसान पहुंचाता है। मार्केट क्षेत्रों एवं आम नागरिकों से अपील किया गया कि प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एवं विक्रय न करें। घरों से सब्जी एवं अन्य सामग्री लेने निकलने पर हमेशा अपने साथ कपड़े से बना थैला आदि लेकर निकले। बावजूद इसके यदि विक्रेताओं के द्वारा सिंगल यूज़ प्लास्टिक का विक्रय किया जाता है तो ग्रीन आर्मी सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध स्टिंग ऑपरेशन करके सीधे निगम अधिकारियो जानकरी सौपेंगी एवँ उनके ऊपर जुर्माना की कार्यवाही निगम के द्वारा कराई जयगी।

प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे ने कहा की हम सबमें सुधार की जरुरत है , जनता को भी जागरूक करना होगा और प्रशासन को भी लगातार बड़े व्यापारियों एवँ उत्पादको पर कार्यवाही करनी होगी, छोटे फुटकर व्यापारियों पर नही तभी यह कामयाब होगा, पूरी ग्रीन टीम इस विषय पर प्रशासन के साथ है संस्था रायपुर अध्यक्ष श्री गुरदीप टूटेजा ने कहा कि पॉलीथिन का बहिष्कार कर इनसे होने वाले नुकसान से बचा का सकता है। इसकी रोकथाम के लिए बड़े उत्पादकों पर शक्त कर्यवाही करने की जरूरत है। यह हमारे जीवन के लिए अभिशाप बन गयी है। व्हाइट विंग चेयरमैन रात्रि लहरी ने पुरे प्रोग्राम की विस्तृत जानकारी मीडिया को प्रदान किया एवँ पॉलिथीन रूपी रावण पुतले को साथ में लेकर प्रर्दशन किया।

छत्तीसगढ़ में क्या रिकार्ड तोड़ेगा तापमान, अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री पार

रायपुर। प्रदेश में मार्च के महीने से गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। लेकिन अप्रैल महीने में मौसम में बार बार बदलाब देखने को मिल रहा है। इस बीच रायपुर मौसम विभाग ने लू और हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। रायपुर मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार से प्रदेश के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की बढ़ोत्तरी हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों के लिए मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। जिसके मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आने वाले 5 दिनों में लू और भीषण लू की स्थिति बनी रहने वाली है। आईएमडी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर भारत के राज्यों में इस समय आंधी तूफान की स्थिति बनी हुई है।अफगानिस्तान से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हुआ है, जिसका सीधा असर उत्तर और मध्य भारतीय राज्यों में देखने को मिल सकता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से छत्तीसगढ़ समेत पूर्वी, पश्चिम, मध्य और उत्तरी भारतीय राज्यों में बारिश होने की संभावना है।

सरकार लोगों की निजी संपत्ति छीन सकती है?

अभिनय आकाश

21 अप्रैल को राजस्थान के बांसवाड़ा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनेगी तो हरेक की प्रॉपर्टी का सर्वे किया जाएगा। हमारी बहनों के पास सोना कितना है उसकी जांच की जाएगी और उसका हिसाब लगाया जाएगा। चांदी कितना है, उसकी जांच की जाएगी। संपत्ति को समान रूप से वितरित करने की बात कांग्रेस की तरफ से कही जा रही है। पीएम मोदी ने सवाल करते हुए लोगों से पूछा कि आपकी मेहनत करके कमाई गई संपत्ति क्या सरकार को एंठने का अधिकार है क्या? पहले जब उनकी सरकार थी तो उन्होंने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब ये संपत्ति एकट्ठा करके जिनके ज्यादा बच्चे हैं उनको बांटेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक रैली में लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि हम सत्ता में आते हैं तो पिछड़ों की सही आबादी जानने के लिए एक जाति जनगणना करेंगे। उसके बाद वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण शुरू होगा। हम भारत की संपत्ति, नौकरियां और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को उनकी जनसंख्या के आधार पर वितरित करने का ऐतिहासिक कार्य करेंगे। अगर इसे ऐसे समझें तो देश की संपत्ति को लोगों के बीच समान रूप से वितरित करने का कार्य किया जाएगा। लेकिन सत्ता पक्ष के द्वारा कहा गया कि कांग्रेस कह रही है कि वो लोगों की निजी संपत्ति छीन लेगी और इसे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के बयान से जोड़ दिया गया। बाद में कांग्रेस नेता और राजीव, सोनिया के सलाहकार रहे सैम पित्रोदा की तरफ से विरासत टैक्स लगाए जाने की बात कही जाने के बाद संपत्ति देखते ही देखते इस चुनाव में ट्रेंडिंग टॉपिक बन गया। ऐसे में आइए जानते हैं कि क्या राज्य के पास शक्ति है कि वो हमारे संपत्ति को छीन सकता है। संविधान में क्या ऐसा कोई प्रावधान है? सुप्रीम कोर्ट में इसको लेकर क्या चल रहा है। हमारे संविधान के भाग 4 राज्य के नीति निदेशक तत्व यानी डीपीएसपी में अनुच्छेद 39बी समावेशित है। अनुच्छेद 39बी में कहा गया है कि समुदाय के भौतिक संशाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार वितरित किया जाए कि आम भलाई के लिए उसका सर्वोत्तम प्रयोग हो सके। अगर इसे सरल भाषा में समझें तो कहा जा सकता है कि देश के संशाधनों का प्रयोग देशहित में होना चाहिए। आम लोगों के हित में होना चाहिए। अब इसकी व्याख्या में क्या केवल सार्वजनिक संपत्ति को छीनकर गरीबों में बांटा जा सकता है? या निजी संपत्ति को भी लेकर गरीबों में बांटा जा सकता है। इस मुद्दे पर पेंच फंसा हुआ है। ये मुद्दा काफी पुराना है। 2002 में सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की बेंच को इस मुद्दे को सौंपा जा चुका है। लेकिन अलग अलग समय पर अलग अलग वादों के माध्यस से आर्टिकल 39बी को व्याख्यायित किया गया। सबसे पहले 1977 में रंगनाथन रेड्डी केस में पांच जजों की बेंच ने अनुच्छेद 39बी पर सुनवाई की थी क्या भौतिक संसाधनों में निजी संपत्ति भी शामिल है। चार जजों ने निजी संपत्ति के शामिल होने की बात को खारिज कर दिया। जबकि इसी फैसले में एक अन्य न्यायधीश कृष्ण अय्यर ने कहा कि निजी संपत्ति भी शामिल है। साल 1983 में इसी मामले में पांच जजों की बेंच फिर से बैठी। लेकिन पांच जजों की बेंच ने पिछले फैसले से उलट ये मानते हुए कह दिया कि आर्टिकल 39बी में निजी संपत्ति भी शामिल है। यानी आप समरूप से वितरण में ऐसा कर सकते हैं। बाद में 1997 में मफतलाल वाद में कहा गया कि ये मुद्दा काफी पेंचीदा है। इस विषय पर शोध करने का काम सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की बेंच को दे दिया जाना चाहिए। 2002 में सात जजों की बेंच ने महाराष्ट्र के मुद्दे पर आर्टिकल 39बी पर विचार हो रहा था और फिर इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में इसे 9 जजों की बेंच को रेफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 23 अप्रैल को नौ जजों की पैनल ने संविधान के अनुच्छेद 39बी की व्याख्या के लिए कार्यवाही शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य ये स्पष्ट करना है कि क्या राज्य की नीति का ये निदेशक सिद्धांत सरकार को व्यापक सार्वजनिक कल्याण के लिए समुदाय के भौतिक संसाधनों के बहाने निजी स्वामित्व वाली संपत्तियों का प्रबंधन और पुनर्वितरण करने की अनुमति देता है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से 24 अप्रैल को कहा कि संविधान का उद्देश्य सामाजिक बदलाव की भावना लाना है और यह कहना खतरनाक होगा कि किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति को 'समुदाय का भौतिक संसाधन' नहीं माना जा सकता।

वोटर को डराने का खेल

अजय बोकिल

लोकसभा चुनाव के लगातार दूसरे चरण में भी मतदान प्रतिशत घटने से राजनीतिक दलों का आत्मविश्वास डगमगाने लगा है। पार्टियों को अब ऐसे 'क्लिक' करने वाले मुद्दे की तलाश है, जो वोटर को पोलिंग बूथ तक खींच कर ला सके। कम होते वोटिंग के साथ-साथ मुद्दों की शिफ्टिंग भी साफ तौर पर परिलक्षित होने लगी है। विकास और कुछ बड़ा करने के दावे अब हाशिए हैं। हकीकत में राजनेता अब मतदाता को रिझाने की जगह उसे डराने के खतरनाक खेल पर उतर आए हैं। कहीं मतदाता को आरक्षण खत्म करने और संविधान बदल डालने के नाम पर डराया जा रहा है तो कहीं महिला मतदाता से सम्पत्ति के समान वितरण के नाम पर महिला मतदाताओं से मंगल-सूत्र तक छीन लेने और हिंदुओं की आय को मुसलमानों में बांट देने की बात कही जा रही है। इसकी व्यावहारिकता और सच्चाई पर कोई नहीं जा रहा है।

चुनाव के कुरूक्षेत्र में भिड़ी दोनो राजनीतिक गठबंधनों की सेनाएं अब अपना- अपना वोट बैंक किसी भी कीमत पर बचाने में लगी हैं। लेकिन मतदाता राजनेताओं और राजनीतिक दलों की इस ड्रामेबाजी से मन ही मन खिन्न नजर आता है, शायद यही कारण है कि प्रलोभनो की बारिश और भयादोहन की पराकाष्ठा के बीच वह घर बैठना ही ज्यादा बेहतर समझ रहा है। भाव यह है कि किसी को भी वोट देने से फायदा क्या? हमाम में सभी निर्लज्ज और झूठे हैं। यूं हर चुनाव में मतदान प्रतिशत की घट-बढ़ नई बात नहीं है और वोटों की यह कमी बेशी कभी सत्ता की वापसी तो कभी बेदखली के रूप में सामने आती है। वोट प्रतिशत के घटने बढ़ने का हार जीत से कोई सीधा रिश्ता नहीं है। यहां ऊंट किसी भी करवट बैठ सकता है। हालांकि चुनाव आयोग भी लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाता की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी को लेकर कई तरह से कोशिश करता है ताकि चुनाव नतीजों की साख अधिकाधिक बढ़े।

राजनीतिक दल भी अपने पक्ष में वोट डलवाने के लिए पूरी कोशिश करते हैं, क्योंकि वोटों की संख्या ही सियासी रण में विजेता का फैसला करती है। लेकिन इस बार वोटर ही बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं दिख रहा है, इसके पीछे जो कारण गिनाए जा रहे हैं, उन्हें राजनीतिक मनोविज्ञानी, समाजशास्त्री और चुनावी रणनीतिकार भी समझने की कोशिश कर रहे हैं। इधर कुछ तर्क सामने भी आए हैं जिनमें गर्मी ज्यादा होने, एक वर्ग द्वारा मतदान दिवस की छुट्टी को पिकनिक डे के रूप में मनाने, भाजपा शासित ज्यादातर राज्यों में चुनावी माहौल एकतरफा होने का नरेटिव बनने, नई सरकार बनाने या बदलने के प्रति मतदाता के अप्रतिबद्ध होने, भाजपा नेताओं द्वारा चुनाव के पहले ही 4 सौ पार का नारा देकर चुनाव नतीजों की प्री सेटिंग करने से भाजपा के वोटर द्वारा चैन की नींद सोने, विपक्ष के एकजुट होने के बाद भी नेतृत्वविहीन होने तथा सत्ता परिवर्तन के लिए ऐसा कोई आंतरिक बल या प्रेरणा का अभाव जो मतदाता को पोलिंग बूथ तक जाने के लिए विवश करे आदि शामिल है।

दरअसल, इस लोकसभा चुनाव के पहले राजनेताओं ने जिस तरह गर्वोक्तियां की थी, उससे लग रहा था कि इस बार

मतदान के दौरान कोई सुनामी आने वाली है, जो या तो मोदी सरकार के पक्ष में होगी या फिर उसके विरोध में। लेकिन मतदान के जो आंकड़े आ रहे हैं, उससे सुनामी तो क्या बरसाती नदी की मौसमी बाढ़ का भी अहसास नहीं हो रहा। हालत यह है कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में पहले चरण में 102 सीटों पर हुए मतदान में औसतन 4.4 फीसदी की गिरावट आई तो दूसरे चरण में यह कमी और बढ़कर 7 फीसदी तक जा पहुंची। बावजूद इसके कि मप्र में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के मंत्रियों को साफ चेतावनी दे दी थी कि वोटिंग घटा तो उनकी कुर्सी भी जाएगी। इसका भी वोटरो पर कोई असर नहीं हुआ, अब मप्र में किस किस मंत्री की कुर्सी जाएगी, लोग इस पर चर्चा में ज्यादा रस ले रहे हैं बजाए इसके कि वोटिंग कैसे बढ़े। हालांकि मतदान के पांच चरण अभी बाकी हैं, लेकिन अगर वोटिंग ट्रेंड नहीं बदला तो सियासी दलों के चुनावी गणित गड़बड़ा सकते हैं।

मतदाता जो भी सोच रहा हो, राजनीतिक दलों ने इस उदासीनता को तोड़ने के लिए वोटर को रिझाने, मनाने की बजाए डराने के नुस्खे पर काम शुरू कर दिया है। इसकी शुरूआत पहले विपक्ष की तरफ से हुई। कहा गया कि भाजपा और एनडीए को 4 सौ पार का बहुमत इसलिए चाहिए कि देश के संविधान को बदला जा सके। हालांकि कोई यह बताने की स्थिति में नहीं है कि संविधान बदलने का निश्चित अर्थ और विषयवस्तु क्या है। संविधान में संशोधन का प्रावधान पहले ही से है। संविधान के मूल ढांचे में बदलाव नहीं किया जा सकता, यह कोर्ट का फैसला है। अगर भाजपा इसे बदलना भी चाहे तो क्या बदलेगी? दबी जबान से यह बात फैलाई जा रही है कि संविधान नए सिरे से लिखा जाने वाला है, जो मनुस्मृति पर आधारित होगा। लेकिन जब यह देश ईवीएम से बैलेट पेपर पर वापस जाने के लिए तैयार नहीं है तब संविधान को ढाई हजार साल पुरानी मनुस्मृति के आधार पर पुनर्लेखन की बात महज सियासी शोशेबाजी है। दूसरा डर है आरक्षण खत्म करने का। भाजपा भारी बहुमत में आएगी तो आरक्षण का खत्म होगा।

खासकर दलितो और आदिवासियों का। यह भी देश के लोकतांत्रिक तकाजों और विवशताओं के चलते असंभव है। इसके पहले विपक्षी दल अल्पसंख्यकों और खासकर मुसलमानो को सीएए और एनआरसी पर डराते आ ही रहे हैं। जबकि सीएए तो नागरिकता छीनने का नहीं, देने का कानून है। मकसद यही कि किसी तरह वोटों की गोलबंदी मजबूती से हो।

दूसरी तरफ विकास और देश को विश्वगुरू बनाने के दावे अब आर्थिक न्याय-अन्याय के बीहड़ों में छटपटाते नजर आ रहे हैं। इसकी शुरूआत तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही की। उन्होंने कांग्रेस घोषणा पत्र में आर्थिक समानता के वादे को उलटाते हुए मतदाताओं और खासकर हिंदू मतदाताओं को डराया कि कांग्रेस सभी का आर्थिक सर्वेक्षण कराके तमाम हिंदुओं की सम्पत्ति हड़प कर मुसलमानों में बांट देगी।

क्या यह संभव है? जब 600 साल के मुस्लिम शासन में यह मुमकिन न हो सका तो कांग्रेस जो खुद ही अपने अस्तित्व के लिए जूझ रही है, 80 फीसदी हिंदुओं की सम्पत्ति छीनकर मुसलमानों को बांटने का क्या खाकर दुस्साहस करेगी और क्या हिंदू ऐसा होने देंगे? प्रधानमंत्री ने इस सम्पत्ति के बंटवारे में मंगलसूत्र का इमोशनल धागा भी पिरोया कि कांग्रेस पावर में आई तो सधवाओं के मंगलसूत्र भी छिन जाएंगे।

हिंदू विवाहित महिलाओं द्वारा सुहाग के प्रतीक मंगल सूत्र पहनने की प्रथा देश में मुख्य रूप से महाराष्ट्र और कर्नाटक में है। गुजरात में भी हो सकती है, लेकिन देश के बाकी हिस्सो में विवाहित महिलाए आमतौर सोने की चेन, जिसमें पेंडेंट लटका होता है ही पहनती हैं, इसलिए मंगलसूत्र बचाने की अपील कितनी कारगर होगी, कहना मुश्किल है। इसी तरह मामला 'विरासत कर' का भी है।

अमेरिका के कुछ राज्यों में प्रचलित विरासत कर (इनहेरिटेंस टैक्स) भारत में लागू करने का सुझाव अमेरिका में रह रहे कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने दिया था। जबकि कांग्रेस ने इससे खुद को अलग कर लिया है। लेकिन भाजपा इस सुझाव को भी कांग्रेस के 'संकल्प के रूप में पेंट कर रही है। इस देश में लोग अमूमन सामान्य कर भी देने में आनाकानी करते हैं, वो विरासत कर जैसा काल्पनिक कर देने की उदारता क्योंकर दिखलाएंगे? जाहिर है कि चुनाव प्रचार अब जमीनी मुद्दों के बजाए हवाई मिसाइल अटैक पर ज्यादा फोकस होता जा रहा है। ये ऐसी बातें हैं, जिनका आम मतदाता की जिंदगी और आकांक्षाओं से खास सम्बन्ध नहीं है। भाजपा यह जताने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस का राज मतलब मुसलमानों की हुकुमशाही तो भाजपा को फिर से सत्ता सौंपने का अर्थ हिंदुओं की तानाशाही है। यानी पूरा नरेटिव अर्ध सत्य पर चल रहा है। अगर तीसरे चरण में भी मतदान का औसत नहीं सुधरा तो हमे सियासत के और घटिया तथा भ्रामक नमूने देखने को मिल सकते हैं। जो सत्ता की रस्साकशी में जो हो रहा है, वह कम से कम लोकतंत्र के लिए स्वास्थ्यप्रद कतई नहीं है। आगे आगे देखिए, होता है क्या?

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-8)

गतांक से आगे...

दूसरा विघ्न साधना पर शंका करना अर्थात् विश्वास न होना, तीसरा विघ्न प्रमत्तता है, चौथा विघ्न आलस्य करना, पाँचवाँ विघ्न ज्यादा नींद लेना, छठवाँ विघ्न साधना से प्रेम न होना, सातवाँ विघ्न भ्रान्ति, आठवाँ विघ्न विषय-वासना में अनुरक्ति, नवाँ अनाख्य (अप्रसिद्धि या अनाम) और योग तत्त्व का प्राप्त न होना दसवाँ विघ्न है, इस प्रकार ये दस विघ्न हैं, इन पर विचार करके बुद्धिमान् साधक को इनका त्याग कर देना चाहिए। इसलिए नियमित रूप से सत्त्वमयी बुद्धि से विचार कर प्राणायाम करना चाहिए।

इस प्रकार के चिन्तन से चित्त सुषुम्ना नाड़ी में लीन रहता है, जिसके कारण उसमें प्राणों का प्रवाह चलने लगता है।

मल शोधन होने के बाद जब प्राण प्रवाहित (गतिशील) होने लगे, तभी बलपूर्वक अपान को ऊर्ध्वगामी बनाना चाहिए, उससे पहले नहीं। प्राण को ऊर्ध्वगामी बनाने की प्रक्रिया के लिए गुदा के आकुंचन की क्रिया को मूलबन्ध कहते हैं। इस क्रिया से अपान ऊर्ध्वगामी होकर अग्नि के साथ संयुक्त होकर ऊपर की ओर चल देता है।

प्राण के स्थान में जब वह अग्नि पहुँचती है और प्राण तथा अपान दोनों मिलकर कुण्डलिनी में मिलते हैं, उस समय उसकी गर्मी से तप्त होकर एवं वायु के बारम्बार दबाव से कुण्डलिनी सीधी होकर सुषुम्ना के मुँह में प्रवेश कर जाती है। तब यह कुण्डलिनी शक्ति रजोगुण से उत्पादित ब्रह्मग्रन्थि का भेदन करके विद्युत् शिखा की भाँति सुषुम्ना के मुख में ऊर्ध्वगमन करती है-प्रवेश करती है। (वहाँ से) शीघ्र ही हृदयचक्र में स्थित विष्णुग्रन्थि का भेदन कर उसके भी ऊपर रुद्रग्रन्थि (आज्ञा चक्र) में पहुँच जाती है।

क्रमशः ...

अंतर्राष्ट्रीय जैज़ दिवस

अपराजिता शुक्ला

30 अप्रैल को पूरी दुनिया में जैज़ डे मनाया जाता है। जैज़ एक पश्चिमी सभ्यता की संगीत विधा है। जिसे पूरी दुनिया में पसंद किया जाता है। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में इसकी लोकप्रियता बहुत ज्यादा है। इस संगीत विधा का सबसे अहम इंस्ट्रूमेंट सक्सोफोन है। यूनेस्को ने साल 2011 में एक खास दिन जैज़ डे के रूप में मनाने का फैसला लिया। जिसका उद्देश्य इस संगीत विधा की खासियत बताना था और ये भी कि कैसे ये पूरी दुनिया को एकता के सूत्र में पिरो सकता है।

जैज़ डे पर सभी समुदाय, स्कूल और दुनियाभर के कलाकार एक साथ इस दिन को सेलिब्रेट करते हैं। हर साल इस दिन पूरी दुनिया में समारोह आयोजित किए

जाते हैं और ये दिन संगीत प्रेमियों के लिए खास बन जाता है। जैज़ जैसी संगीत की विधा भावनाओं को व्यक्त करने की छूट देती है। जिसकी मदद से लोग एक दूसरे के करीब आ सके और मन में होने वाले बैरभाव को दूर किया जा सके। दुनियाभर में सांप्रदायिक सौहाद्र को बढ़ावा देने के लिये भी इस दिन का महत्व है। इसके साथ ही जैज़ संगीत की नई विधाओं को अपने में शामिल करती है। हर कलाकार अपनी प्रतिभा को उकेरते हुए चाहे तो किसी नए विधा को जन्म दे सकता है। जिसे जैज़ प्रोत्साहित करती है और उसे अपने डांस फार्म में जगह देती है।

यूनेस्को के गुडविल अम्बेस्डर हार्बी हैनकॉक जिन्होंने इस दिन को शुरू किया था। कहते हैं कि पहले से कहीं अधिक, एक साथ मिलकर गाते हैं और जैज़ की भावनाओं को दुनियाभर में फैलाते हैं और ये कोशिश करते हैं कि इस आइसोलेशन और अनिश्चितता के समय में लोग एक दूसरे से फिर से जुड़ सकें। भले ही जैज़ डे का उद्देश्य इस संगीत की विधा को पूरी दुनिया में फैलाना था लेकिन इसका अहम रोल पूरी दुनिया के युवाओं को एक साथ लाना है। अंतर्राष्ट्रीय जैज़ दिवस शांति, एकता, संवाद और लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ एक शैक्षिक उपकरण के रूप में जैज़ के गुणों के अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में जागरूकता बढ़ाता है। कई सरकारें, नागरिक समाज संगठन, शैक्षणिक संस्थान और निजी नागरिक जैज़ के लिए अधिक प्रशंसा और अधिक समावेशी समाज के निर्माण में इसके योगदान को बढ़ावा देने का अवसर स्वीकार करते हैं।

जैज़ को बाधाओं को तोड़ने, आपसी समझ और सहिष्णुता के अवसर पैदा करने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने, व्यक्तियों और समुदायों के बीच तनाव को कम करने, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, सामाजिक परिवर्तन में युवाओं की भूमिका को सुदृढ़ करने, कलात्मक नवाचार और कामचलाऊ व्यवस्था को प्रोत्साहित करने और इंटरकल्चरल संवाद को प्रोत्साहित करने की क्षमता के लिए मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में शिक्षा कार्यक्रमों की एक श्रृंखला, सभी उम्र के छात्रों के लिए कार्यक्रम और जैज़ के इतिहास और टंगेर पर इसके प्रभाव के बारे में बातचीत शामिल है।

चुनावी लड़ाई में आगे लेकिन मुद्दा तय करने में पीछे

शेखर गुप्ता

नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का उभार 2012 के आसपास हुआ और तब से उन्होंने भारत में प्रतिस्पर्धी राजनीति की शर्तों को निर्धारित किया है। वर्ष 2014 में सबके लिए अच्छे दिन और '56 इंच सीने' और दुश्मनों (मुख्यत: चीन और पाकिस्तान) के लिए लाल-लाल आंखों की बात की गई।

वर्ष 2019 में राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल उठाया गया और कहा गया कि इसे लेकर रुख बदलना होगा। आतंकवादियों और दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारने की बात की गई। वर्ष 2024 के चुनावों में हम सात में से तीसरे चरण की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी तक भाजपा की चुनावी थीम सामने नहीं आई है। चीन पूरी तरह गायब है और पाकिस्तान का जिक्र भी बहुत कम है। परंतु इन बातों से इस हकीकत पर कोई फर्क नहीं पड़ता है कि पार्टी अभी भी चुनावी होड़ में दूसरों से काफी आगे है। यही वजह है कि इन चुनावों को लेकर कुछ निरंतरता वाली बातों का सामने नहीं आना दिलचस्प है। यह भी एक वजह है कि इस बार मतदान का प्रतिशत कम है, जबकि अभी तो गर्मियां भी पूरी तरह नहीं आई हैं। यह भी हो सकता है कि भाजपा को अपने सामने कोई प्रतिद्वंद्वी ही नजर न आ रहा हो और इस वजह से उत्साह की कमी नजर आ रही हो। वैसे ही जैसे दो असमान क्षमता वाली क्रिकेट टीमों के बीच एकतरफा मैच होता है।

जब नतीजों का अनुमान लगाना इतना आसान हो तो वोट डालने जाना ही क्यों? अगर आप भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लोगों तथा मोदी सरकार के समर्थकों से बात करेंगे (मैंने पिछले दिनों बेंगलूरु और उसके आसपास यही किया) तो यही आशंका सामने आएगी। कोई भी व्यक्ति जिसने भारतीय चुनावों पर लंबे समय तक नजर रखी होगी वह आपको बताएगा कि ऐसा कभी

होता नहीं है। हकीकत में मतदाता का उत्साह अक्सर 'लहर' वाले चुनावों के समय नजर आता है। एक अनुमान, बेहतर भविष्य की और कई बार प्रतिशोध की भावना होती है। इन सभी वजहों से 2024 असाधारण रूप से बिना बिना किसी कहानी के नजर आ रहा है।

आश्चर्य की बात यह है कि हमारी राष्ट्रीय राजनीति के मौजूदा दौर के सबसे बड़े जादूगर नरेंद्र मोदी ने अब तक इन चुनावों के लिए कोई थीम नहीं पेश की है। उन्होंने ऐसा कोई मुद्दा नहीं पेश किया है जो पहले से सातवें चरण तक चल सके। शुक्रवार को दूसरे चरण के मतदान तक उन्होंने और उनकी पार्टी ने नई-नई थीम पेश कीं और आगे बढ़ गए। ये मुद्दे प्रचार अभियान में एक सप्ताह भी नहीं टिके। विगत तीन सप्ताह के दौरान कांग्रेस तथा विपक्ष के तय मुद्दों ने जिस तरह भाजपा के अभियान को प्रभावित किया है वह भी उल्लेखनीय है। आमतौर पर ऐसा होता नहीं कि पहले से सत्ता पर काबिज और चुनाव में आगे चल रहा कोई दल चुनौती देने वाले की बातों पर इस प्रकार प्रतिक्रिया दे। भाजपा ने कड़ी मेहनत से यह प्रतिष्ठा हासिल की है कि वह हमेशा चुनाव प्रचार के लिए तैयार रहने वाला दल है। ऐसे में 2024 का प्रचार इस थीम पर आरंभ हुआ कि नरेंद्र मोदी भारत को अधिक ऊंचा वैश्विक कद दिला रहे हैं। ऐसा जैसा अतीत में किसी ने नहीं दिलाया। जाहिर है संकेत जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की ओर है। इसकी शुरुआत भारत मंडपम से हुई जहां जी20 शिखर बैठक का आयोजन किया गया था। पूरा आयोजन इस तरह तैयार किया गया था ताकि मोदी को दुनिया का नया नेता दिखाया जा सके और दुनिया के अधिकांश शक्तिशाली देशों के नेताओं ने ऐसा माना भी। हालांकि इसके बाद उस समय झटका भी लगा जब गणतंत्र दिवस के आसपास दिल्ली में क्वाड देशों के नेताओं को एकत्रित करने की योजना फलीभूत न हो सकी। इतना ही नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने आयोजन का मुख्य अतिथि बनने का न्योता भी ठुकरा दिया था। अब इसमें निज्जर-पन्नून मामले की क्या भूमिका थी या इसने जी20, खासकर भारत और अंग्रेजी भाषी देशों के दरमियान क्या भूमिका निभाई, हम नहीं जानते। यह निष्कर्ष जरूर निकाला जा सकता है कि बढ़ते वैश्विक कद की यह छवि टूटी नहीं है तो भी डगमगाई जरूर है।

चुनाव के पहले के उन सप्ताहों में महिला मतदाताओं को लुभाने का दांव चला गया। निर्वाचन वाली संस्थाओं में महिलाओं के आरक्षण के लिए आनन-फानन में पारित कानून इसका हिस्सा था। इस कानून के क्रियान्वयन के लिए कोई समय सीमा नहीं रखी गई और इसके लिए अगली जनगणना और परिसीमन की प्रतीक्षा करनी होगी। हम कह सकते हैं कि शायद यह 2029 तक भी लागू नहीं हो पाएगा। भाजपा के चुनाव प्रचार में इसका जिक्र भी नहीं सुनने को मिल रहा है। इन चुनावों में भी पार्टी के उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी 16 फीसदी है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा जनवरी में हुई यह भी चुनावों के लिहाज से मुफीद था। इसके बावजूद विभिन्न राज्यों में भाजपा के 20 नेताओं के करीब 100 भाषणों पर नजर डालें तो पता चलता है कि उनमें इस पर जोर या इसका जिक्र नहीं है। यह मुद्दा हाल में उठा जब ऐसे संकेत मिले कि राहुल और प्रियंका गांधी राम मंदिर जा सकते हैं। इस वर्ष चुनाव की तारीख घोषित होने से कुछ सप्ताह पहले भारत रत्न की घोषणा करते समय भी पिछड़े वर्ग और ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले दो नेताओं कर्पूरी ठाकुर और चरण सिंह को यह सम्मान प्रदान किया गया। ऐसा करके पार्टी ने सामाजिक न्याय का दांव चलने की कोशिश की। परंतु उसके बाद इससे इस बारे में भी ज्यादा कुछ सुनने को नहीं मिला। यह जरूर है कि चरण सिंह को यह सम्मान मिलने के बाद उनके पोते ने इंडिया गठबंधन से नाता तोड़कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता जोड़ लिया।

अगर आज चुनाव प्रचार पर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि इसे प्रतिपक्ष दिशा दे रहा रहा है। शायद कांग्रेस पार्टी भी इस बात से आश्चर्यचकित होगी। बीते तीन सप्ताह में दोनों दलों को अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर दिए हैं। आप देख सकते हैं कि किस तरह प्रधानमंत्री लगातार कांग्रेस के घोषणापत्र का उल्लेख करते हैं, उस पर सवाल उठाते हैं और उसे लेकर भय उत्पन्न करते हैं, जबकि वह और उनकी पार्टी के नेता अपने घोषणापत्र का बहुत कम उल्लेख करते हैं। इसी तरह राहुल गांधी ने 6 अप्रैल को हैदराबाद में घोषणापत्र जारी करते समय कहा कि 'संस्थानों, समाज और संपत्ति' का सर्वेक्षण किया जाएगा और उसके बाद उनका समुचित पुनर्वितरण देश की 90 फीसदी आबादी में किया जाएगा। उन्होंने पुनर्वितरण शब्द का इस्तेमाल नहीं किया लेकिन उनका इशारा यही था। तब से मोदी का प्रचार अभियान उसी पर केंद्रित है।

जाहिर है उन्होंने आम महिलाओं के डर का सहारा लेते हुए उनके मंगल सूत्र और स्त्री धन को छीन लिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनसे यह लूटना चाहती है। ताजा मुद्दा सैम पित्रोदा के विरासत कर संबंधी बयान से मिल गया। ये डर उचित हैं या नहीं ये अकादमिक मुद्दा है, बशर्ते कि चुनाव अभियान के मध्य में आकर आप यह न सोच रहे हों कि वास्तव में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की संभावना है।

आज का इतिहास

1894 1893 के आतंक के कारण बेरोजगारों की भीड़ ने वाशिंगटन, डी.सी. पर पहला महत्वपूर्ण लोकप्रिय विरोध मार्च आयोजित किया।

1943 द्वितीय विश्व युद्ध: रॉयल नेवी पनडुब्बी एचएमएस सेराफ ने सिसिली के आगामी आक्रमण के बारे में जर्मनी को धोखा देने के लिए ऑपरेशन मिंसमीट शुरू किया।

1945 द्वितीय विश्व युद्ध के रूप में मित्र देशों की सेना बर्लिन में बंद हो रही थी, एडोल्फ हिटलर और ईवा ब्रौन ने एक दिन के लिए अविवाहित रहने के बाद फ्यूहररबंकर में आत्महत्या कर ली।

1945 जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उसकी पत्नी इवा ब्राउन ने आत्महत्या की।

1948 इक्कीस देशों ने अमेरिकी राज्यों के संगठन की स्थापना करते हुए कोलंबिया के बोगोटा में एक चार्टर पर हस्ताक्षर किए।

1956 अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति और सीनेटर एल्बेन बार्कली की वर्जीनिया में एक भाषण के दौरान मौत।

1963 ब्रिस्टल में एक बहिष्कार का आयोजन किया गया था ताकि ब्रिस्टल ओम्निबसकम्पेन द्वारा ब्लैक या एशियन बस क्रू को नौकरी देने से इंकार कर दिया जाए, यूनाइटेड किंगडम में नस्लीय भेदभाव के लिए राष्ट्रीयता का चित्रण किया जाए।

1975 अमेरिकी सेनाओं द्वारा अपने हेलीकॉप्टर खाली करने, दक्षिण वियतनाम के नागरिकों और शहर से तीसरे देश के नागरिकों को समाप्त करने के कुछ ही समय बाद उत्तर वियतनाम के सैनिकों ने साइगॉन पर कब्जा कर लिया, दक्षिण वियतनाम के बिना शर्त आत्मसमर्पण के साथ वियतनाम युद्ध को समाप्त कर दिया।

1975 वियतनाम युद्ध का अंत हुआ।

1993 महिला टेनिस खिलाड़ी के रूप में नंबर एक स्थान पर रहीं मोनिका सेलेस को एक मैच के दौरान पीछे खड़े खिलाड़ी स्टीफी ग्राफ ने देख लिया था।

1995 लॉरा डेविस ने एलपीजीए चिक-फिल्म-ए चैरिटी गोल्फ चैंपियनशिप जीती।

1997 लंदन एग्योरेंस, 72 प्रदर्शनों के लिए मानदंड थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में खुलता है।

1997 ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली राखोनोव हत्याकांड के प्रयास में घायल हो गए।

2002 पाकिस्तान में राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ के अगले 5 वर्षों के कार्यकाल में वृद्धि के लिए जनमत संग्रह सम्पन्न।

पसमांदा का साथ चाहिए, फिर मुस्लिम आरक्षण का विरोध क्यों

संजय तिवारी

इस बार चुनाव में मुस्लिम सांप्रदायिकता को उभारने के लिए एक नये एंगल से बहस खड़ी की जा रही है। वह यह कि कांग्रेस की सरकार ने कर्नाटक में मुसलमानों को हिन्दू जातियों के साथ आरक्षण की लिस्ट में शामिल कर लिया है। हालांकि जो लोग यह बहस चला रहे हैं वो आधा झूठ बोल रहे हैं।

यह बात सही है कि कर्नाटक में लगभग सभी मुसलमान हिन्दुओं के जातीय आरक्षण के लाभार्थी हैं। लेकिन यह बात झूठ है कि कांग्रेस ने ऐसा किया है। 1995 में एचडी देवेगौड़ा जब मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने सभी कैटेगरी के आरक्षण में मुस्लिम जातियों को भी शामिल कर लिया था।

बहरहाल, राजनीतिक आरोप से अधिक यह सवाल महत्वपूर्ण है कि क्या मुस्लिम और ईसाई समुदाय को हिन्दू जातियों के लिए निर्धारित सरकारी आरक्षण में शामिल किया जाना चाहिए या नहीं? अगर ऐसा किया जाता है तो क्या इसका सिर्फ नुकसान ही है या फिर राजनीतिक और सामाजिक रूप से इसका कोई फायदा भी होनेवाला है?

भारत की एक जमीनी सच्चाई यह है कि हमारी जातीय पहचान हमारी धार्मिक और राष्ट्रीय पहचान से भी ऊपर है। इसका कारण सिर्फ इतना नहीं है कि कुछ जातियों को आरक्षण मिला हुआ है इसलिए वो अपनी जातीय पहचान को धारण किये हुए हैं। इसका कारण इससे बहुत अधिक गहरा और हमारे जन्म संस्कार से बंधा हुआ है। भारत में जाति हमारी सामाजिक पहचान बाद में बनी, उसके पहले वह हमारी आर्थिक पहचान है। भारत की अर्थव्यवस्था और समाज व्यवस्था जातियों में ही निहित रही है।

आज हमने अपनी जातीय रूप से भले ही अपनी आर्थिक पहचान को खो दिया है लेकिन सामाजिक रूप से हमने अपनी जातीय पहचान बरकरार रखी है। भारत में जातीय गौरव क्या होता है इसे इसी बात से समझ सकते हैं कि निम्न से निम्न कोटि की पहचान रखनेवाली जाति के लोग भी अपनी धार्मिक पहचान छोड़ देने के लिए तो तैयार हो जाते हैं लेकिन अपनी जातीय पहचान का त्याग नहीं करना चाहते।

इसीलिए भारत में जिन लोगों को इस्लाम कबूल करवाया गया या फिर ईसाई मिशनरियां जिन्हें ईसाई बनाती आई हैं, वे लोग हिन्दू धर्म छोड़ देने के बाद भी अपनी जातीय पहचान नहीं छोड़ पाये हैं। हालांकि इस्लाम और ईसाईयत दोनों ही जगहों पर अपनी जातीय पहचान का महत्व है लेकिन उनकी जड़ें यहां से दूर इजराइल और अरब देशों में हैं। इन दोनों ही धर्मों ने एक गॉड या एक अल्लाह का प्रचार तो किया लेकिन अपनी कबीलाई पहचान और ऊंच नीच का त्याग नहीं कर पाये। सामाजिक रूप से ऊंच नीच का भेदभाव इस्लाम में भी है और ईसाईयत में भी। बस, उनका तरीका और संदर्भ थोड़ा अलग है।

इसलिए भारतीय उपमहाद्वीप में जो लोग इस्लाम या ईसाइयत में कन्वर्ट हुए या हो रहे हैं वो अपनी जातीय पहचान नहीं छोड़ना चाहते। भारत में ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं के जातीय भेदभाव को उभारकर दलित, आदिवासी को क्रिश्चियन तो बना देते हैं लेकिन क्रिश्चियन हो जाने के बाद उनके साथ जातीय भेदभाव वहां भी जारी रहता है। कमोबेश यही हाल मुस्लिम समुदाय का

भी है। वहां भी अशराफ, अजलाफ, अरजाल, अगड़ा पिछड़ा का भयंकर भेदभाव है।

इस्लाम में जो अगड़ी जातियों से जुड़े मुसलमान हैं उन्हें अशराफ कहा जाता है। अपने आप को अरब मूल का या फिर बाहरी देश से आया यह अशराफिया तबका ही लगभग समूचे मुस्लिम समुदाय को नियंत्रित करता है। लेकिन इसके अलावा पिछड़ी और दलित जातियों के जो मुसलमान हैं उनकी भी वहां वही सामाजिक दुर्दशा है जो हिन्दुओं की कुछ दलित जातियों की है। मस्जिद में साथ में खड़े होकर जुमे की नमाज पढ़ लेने के अलावा उनके बीच आपस में खान-पान, रोटी-बेटी का संबंध कभी नहीं बन पाता है।

वैसे तो भारत का मुसलमान मुख्यरूप से फिरकों में बंटा है लेकिन सुन्नी मुसलमानों में जो पिछड़ा तबका है उसकी जनसंख्या सर्वाधिक है। कुल मुस्लिम जनसंख्या का लगभग 80 प्रतिशत। इन्हें ही पसमांदा या पिछड़ा हुआ मुसलमान कहा जाता है। ये पसमांदा मुसलमान अपने आपको भारतीय मूल का मानते हैं और आज भी भारत की जाति व्यवस्था के अनुसार ही सामाजिक संबंध बनाते हैं। यह पहचान कितनी गहरी है इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि यूपी का कुख्यात माफिया अतीक अहमद अपने आपको मुस्लिम तो मानता ही था लेकिन उसने अपनी ग्वाल जाति (यादव) की पहचान भी बनाकर रखी हुई थी। वह टोपी लगाने के बजाय जीवनभर ग्वाल पगड़ी ही बांधता रहा।

मुसलमानों के बीच इसी भेदभाव का परिणाम है कि पीएम मोदी ने खुलकर पसमांदा मुसलमानों की बात करना शुरु कर दिया। पीएम मोदी के ही इशारे पर भाजपा द्वारा पसमांदा मुसलमानों के सम्मेलन करवाये गये और जगह जगह उन्हें पार्टी में पदाधिकारी बनाया जाने लगा। यूपी में भाजपा ने परंपरागत शिया मुसलमानों को नजरअंदाज करके पसमांदा सुन्नी मुसलमानों को महत्व देना शुरु कर दिया क्योंकि इनकी जनसंख्या शिया मुसलमानों के मुकाबले कई गुना अधिक है।

पिछले साल हुए यूपी के नगर निकाय चुनाव में भाजपा ने मुसलमानों को जो 395 टिकट दिये थे इसमें से 90 प्रतिशत पसमांदा मुसलमान थे। इसमें से 61 विजयी भी हुए। अलीगढ मुस्लिम युनिवर्सिटी के वीसी रहे तारिक मंसूर को विधान परिषद भेजा। योगी की पहली सरकार में अल्पसंख्यक मंत्री रहे मोहसिन रजा को दूसरे कार्यकाल में संभवतः इसलिए जगह नहीं मिली क्योंकि वो अशराफ मुसलमान थे। उनकी जगह पार्टी के कार्यकर्ता और पसमांदा समाज से आनेवाले नौजवान दानिस आजाद अंसारी को अल्पसंख्यक मंत्री बनाया गया।

मोदी का संकेत साफ है कि हमें मुसलमानों में उन्हें अपने साथ लेना है जो उनके यहां जातीय रूप से दबाये गये हैं। फिर सवाल यह पैदा होता है कि अगर मोदी स्वयं मुसलमानों के बीच जातीय भेदभाव को मानते हैं और पिछड़े पसमांदा मुसलमानों का भला भी करना चाहते हैं तो फिर मुसलमानों को जाति के आधार पर मिलनेवाले आरक्षण का सवाल कैसे उठा सकते हैं?

कहीं कम तो कहीं ज्यादा देश के लगभग हर राज्य में कई पिछड़ी जातियों के मुसलमानों को ओबीसी/एससी कैटेगरी में शामिल किया गया है। अलग अलग राज्यों में इसे लेकर विवाद भी है लेकिन बंगाल, बिहार और कर्नाटक में पसमांदा मुसलमानों को पर्याप्त जातीय आरक्षण मिला हुआ है। फिर सवाल यह उठता है कि पसमांदा या पिछड़े मुसलमानों को अपनी राजनीति में शामिल करने के प्रयास में लगी बीजेपी अगर उनको मिलनेवाले जातीय आरक्षण पर ही सवाल उठायेगी तो पसमांदा का समर्थन और वोट भला कैसे पायेगी?

भाजपा की अभी तक की राजनीति शिया और बोहरी मुसलमानों तक सीमित रही है। सुन्नी मुसलमान आमतौर पर बीजेपी से दूर ही रहे हैं। पहली बार मोदी ने ही उन्हें भाजपा के साथ लाने का प्रयास शुरु किया है। अब अगर भाजपा ही पसमांदा मुसलमानों के जातीय आरक्षण पर सवाल उठायेगी तो यह भाजपा को ही भारी पड़ेगा। अगर भाजपा मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति से ही लड़ना चाहती है तो उसे पसमांदा मुस्लिम को लुभाने की राजनीति छोड़नी होगी। अगर वह ऐसा नहीं करना चाहती तो मुसलमानों को मिलनेवाले आरक्षण पर भी सवाल उठाने से बचना होगा।

कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की लड़ाई ने आसान कर दी भाजपा की राह

कृष्णमोहन झा

देश के 25 से अधिक भाजपा विरोधी दलों ने गत वर्ष जो इंडिया गठबंधन बनाया था उसमें यूं तो शुरू से ही मतभेद उजागर होने लगे थे परन्तु उस समय यह संभावना भी व्यक्त की जा रही थी कि लोकसभा चुनाव नजदीक आते आते गठबंधन के सारे घटक दलों को एकजुटता की अनिवार्यता महसूस होने लगेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि गठबंधन के कुछ दलों ने आपसी एकजुटता प्रदर्शित करने की भरसक कोशिश भी की परंतु पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुरू से ही इंडिया गठबंधन को धता बताने में कभी कोई संकोच नहीं किया और आश्चर्य की बात तो यह है कि 19 अप्रैल को मतदान की प्रक्रिया शुरू हो जाने के बावजूद यह सिलसिला थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा प्रमाण ममता बनर्जी का हाल में ही दिया गया वह बयान है जिसमें उन्होंने राज्य में कांग्रेस और साम्यवादी पार्टी पर भगवा पार्टी की परोक्ष मदद करने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से मात्र बेहरामपुर और माल्दा की सीट कांग्रेस पार्टी के लिए छोड़ने की पेशकश की थी जिसे कांग्रेस ने अपमानजनक मानते हुए ठुकरा दिया और कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौता कर लिया लेकिन यह भी इंडिया गठबंधन की परस्पर विरोधाभासी प्रकृति का एक आश्चर्यजनक उदाहरण है कि वर्तमान लोकसभा चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल में हाथ मिलाने वाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी केरल में एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड रही हैं। ऐसे उदाहरण देश के अन्य राज्यों में भी देखने को मिल सकते हैं। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि इंडिया गठबंधन के इन विरोधाभासों ने लोकसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत से भाजपा की जीत सुनिश्चित कर दी है। वास्तविकता यह है कि इंडिया गठबंधन के कुछ बड़े घटक दल अपने वर्चस्व वाले राज्यों में जिस तरह से उनसे कम जनाधार वाले सहयोगी घटक दलों पर निशाना साध रहे हैं उससे उन राज्यों में भाजपा की राह आसान होती जा रही है। पश्चिम बंगाल में भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ?ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जो अभियान छेड़ रखा है उनसे भी यही संकेत मिल रहे हैं। उनके चुनावी भाषणों में कांग्रेस पार्टी पर किए जाने वाले तीखे हमले यह सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि इंडिया गठबंधन से तृणमूल कांग्रेस का रिश्ता क्या अब केवल नाममात्र का बचा है । विगत दिनों मुर्शिदाबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी मिलकर भाजपा की मदद कर रहे हैं। यहां कोई इंडिया गठबंधन नहीं है। ममता बनर्जी ने कहा मैंने विपक्षी इंडिया गठबंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यहां तक कि विपक्षी गठबंधन का इंडिया नाम भी मैंने ही दिया था। परंतु पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और मार्क्सवादी पार्टी और भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ गठबंधन बना लिया। यह एक साज़िश है। यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी ने कांग्रेस और मार्क्सवादी पार्टी के गठजोड़ पर निशाना साधा है। इसके पहले भी इस तरह के आरोप लगाती रही हैं। दूसरी ओर बेहरामपुर से कांग्रेस उम्मीदवार और 17 वीं लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी भी भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर ममता बनर्जी की सरकार को कठघरे में खड़ा करने का कोई मौका कभी नहीं छोड़ते। दरअसल समय समय पर की गई उनकी बयानबाजी के कारण ही तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच दूरियां बढ़ती रही हैं। पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनावों में भी अधीर रंजन चौधरी की पहल पर ही कांग्रेस ने मार्क्सवादी पार्टी के साथ? गंठजोड़ किया था जिसे तृणमूल कांग्रेस के हाथों इतनी गहरी शिकस्त का सामना करना पड़ा कि दोनों पार्टियों का खाता तक नहीं खुला।इन लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटा हुआ है। इतना तो तय है कि इंडिया गठबंधन को ममता बनर्जी राज्य में थोड़ा सा भी महत्व नहीं दे रही हैं। वे राज्य में अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहती हैं लेकिन राज्य में भाजपा कि बढ़ती ताकत उनके लिए चिंता का विषय बन गई है। उन्डहें यह डर सताने लगा है कि उनकी सरकार के मंत्रियों? एवं तृणमूल कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप और संदेशखाली की घटनाए इन लोकसभा चुनावों में उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकती हैं।

मोदी पर क्या कार्रवाई कर सकता है आयोग या कोर्ट?

अजय सेतिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर नफरत फैलाने का आरोप लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है, जिसमें छह साल के लिए उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में नरेंद्र मोदी के 9 अप्रेल को पीलीभीत में दिए भाषण का हवाला दिया है।उस भाषण में नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के शिलान्यास का बॉयकॉट किया। उन्होंने कांग्रेस पर मुस्लिमपरस्ती करने का आरोप भी लगाया था।पीलीभीत में सिखों की तादाद काफी संख्या में है, इसलिए नरेंद्र मोदी ने सिख वोटरों को लुभाने के लिए उनकी सरकार की ओर से करतारपुर कॉरिडोर खोलने और अफगानिस्तान से पवित्र गुरुग्रंथ साहिब को वापस लाने का जिक्र भी किया था।

आचार संहिता के अनुसार चुनाव प्रचार के दौरान न तो धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है और न ही धर्म संप्रदाय और जाति के आधार पर वोट देने की अपील की जा सकती है। याचिकाकर्ता सुप्रीमकोर्ट के वकील आनन्द एस जोनदाले ने कहा है कि उन्होंने 10 अप्रेल को चुनाव आयोग से शिकायत की थी, जिसमें उन्होंने तर्क दिया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने आचार संहिता के निर्देशों के संग्रह खंड-ढ्ढढ्ढ में उल्लिखित नियम -ढ्ढ (1) और (3) का उल्लंघन किया है। लेकिन चुनाव आयोग ने उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। वैसे देखा जाए, तो यह आचार संहिता के उल्लंघन का मामला बिलकुल नहीं बनता, क्योंकि मोदी ने धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगे, न ही किसी धर्म संप्रदाय के खिलाफ बोले।

किसी भी नेता को अपने पूर्व के किए गए काम गिनाने का पूरा हक है, और विरोधियों की गलतियां या उनकी नीतियां या पूर्व के काम गिनाने का भी पूरा हक है। नरेंद्र मोदी ने यही किया था। इससे ज्यादा खतरनाक तो हैदराबाद के चुनाव प्रचार में हो रहा है, जहां भाजपा की उम्मीदवार माधवी लता त्रिशूल हाथ में ले कर रोड शो करती देखी गई, और पहली बार कड़े मुकाबले का सामना कर रहे एआईएमआईएम के अध्यक्ष और उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी मुसलमानों से खुलेआम मस्जिद के नाम पर वोट मांगते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री के खिलाफ दायर याचिका पर अभी सुनवाई नहीं की है, 29 अप्रेल को सुनवाई होने की संभावना है, लेकिन ज्यादा उम्मीद यही है कि हाईकोर्ट इसे चुनाव आयोग पर छोड़ने की बात कह कर याचिका को डिसमिस कर देगी। क्योंकि चुनावों के दौरान अदालतें अमूमन चुनाव आयोग के काम में कोई दखल नहीं देती हैं। यह याचिका सुप्रीमकोर्ट के वकील आनन्द एस जोंदाले ने दाखिल की है, जिसमें

उन्होंने चुनाव आयोग और नरेंद्र मोदी को पार्टी बनाया है। उनका आरोप है कि मोदी ने हिन्दुओं से मन्दिर निर्माण के नाम पर, सिखों के करतारपुर कॉरिडोर और गुरुग्रंथ साहिब के नाम पर वोट मांगे।

इसके बाद का एक मामला ज्यादा गंभीर है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 अप्रेल को बांसवाड़ा में कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो वह हिन्दुओं की सम्पत्ति छीन कर, यहां तक कि हिन्दू औरतों के मंगलसूत्र छीनकर ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों और घुसपैठियों को सौंप देगी। नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में मुसलमानों का जिक्र भी किया था। इस पर भी कांग्रेस ने मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग को शिकायत की थी।

चुनाव आयोग ने इस शिकायत को तो गंभीर माना, लेकिन नोटिस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देने के बजाए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को दिया। इसी तरह की एक शिकायत राहुल गांधी के खिलाफ थी, उस पर भी चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को नोटिस देने के बजाए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस दे दिया।

इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था कि किसी नेता के खिलाफ आई शिकायत पर उसकी पार्टी के अध्यक्ष को नोटिस दिया गया हो। हाल ही में जितने भी नेताओं के खिलाफ शिकायत आई थी, चुनाव आयोग ने उन्हीं को नोटिस दिया था, जिनके खिलाफ शिकायत आई थी। इसलिए जब मोदी के बजाए जेपी नड्डा को और राहुल गांधी के बजाए खड़गे को नोटिस दिया गया तो कांग्रेस ने कहा कि चुनाव आयोग प्रधानमंत्री से डरता है, चुनाव आयोग प्रधानमंत्री की जेबी संस्था बन गई है, इसलिए उसने मोदी को नोटिस नहीं दिया और अपनी झेंप मिटाने के लिए राहुल गांधी को भी नोटिस नहीं दिया। सवाल यह है कि चुनाव आयोग क्या कर सकता है। चुनाव आयोग किसी भी शिकायत पर संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी करके पूछताछ कर सकता है, और आरोप सही पाए जाने पर कार्रवाई कर सकता है। जैसे हाल ही में हेमा मालिनी के खिलाफ टिप्पणी करने पर कांग्रेस के नेता सुरजेवाला के एक दिन के लिए प्रचार करने पर रोक लगा दी गई थी।

अभिनेत्री और मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कंगना रानौत के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और ममता बनर्जी के खिलाफ टिप्पणी पर भाजपा नेता दिलीप घोष की कड़ी निंदा कर उन्हें चेतावनी जारी की गई। आयोग इन दोनों के जवाब से संतुष्ट नहीं था। आयोग ने सुप्रिया श्रीनेत और और दिलीप घोष की पार्टियों के अध्यक्षों को भी लिखा कि वे अपने नेताओं को कंट्रोल में रखें।

लेकिन सवाल यह है कि चुनाव आयोग या हाईकोर्ट या सुप्रीमकोर्ट क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उन भाषणों पर वैसी कार्रवाई कर सकते हैं, जैसी याचिकाकर्ता ने मांग की है, क्या उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाई जा सकती है। चुनाव आयोग अब उन उम्मीदवारों के चुनाव लड़ने पर रोक जरुर लगाता है, जिन्होंने पहले कोई चुनाव लड़ा हो, लेकिन चुनाव के खर्चे का हिसाब किताब आयोग को दाखिल न किया हो। इस बार भी चुनाव आयोग ने हर राज्य में उन उम्मीदवारों की सूची भेज कर उनके नामांकन स्वीकार नहीं करने की सिफारिश की थी।

आज तक कोई ऐसा उदाहरण मौजूद नहीं है, जब आचार संहिता का उल्लंघन किए जाने पर किसी के चुनाव लड़ने पर रोक लगाई गई हो। किसी के चुनाव लड़ने पर रोक लगाने का प्रावाधान जन प्रतिनिधित्व क़ानून में उल्लिखित है, लेकिन इसमें आचार संहिता के उलंघन पर चुनाव लड़ने से रोक जैसा कोई प्रावाधान नहीं है। लेकिन 1987 में ऐसा हो चुका है, जब चुनाव आयोग ने शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे को भड़काऊ भाषण देने पर छह साल के लिए उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया था। शिवसेना को उस समय तक राजनीतिक दल की मान्यता नहीं थी।

बाल ठाकरे ने जीवन भर कोई चुनाव न पहले लड़ा था, न बाद में लड़ा, लेकिन सब जानते हैं कि बाल ठाकरे के भाषण बहुत ही सांप्रदायिक और भड़काऊ होते थे। 198। में महाराष्ट्र विधानसभा की विले पार्ले सीट पर उप चुनाव हो रहा था। कांग्रेस के उम्मीदवार प्रभाकर काशीनाथ कुंटे के मुकाबले शिवसेना ने निर्दलीय डा. रमेश यशवंत प्रभु को समर्थन दिया था। प्रभु की एक जनसभा में भाषण देते हुए बाल ठाकरे ने कहा था कि हम हिन्दुओं की रक्षा के लिए यह चुनाव लड़ रहे हैं, हमें मुसलमानों के वोटों की चिंता नहीं है, यह देश हिन्दुओं का था और हिन्दुओं का ही रहेगा।

निर्दलीय डा. रमेश यशवंत प्रभु चुनाव जीत गए थे। बाल ठाकरे के भाषण के आधार पर पहले हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीमकोर्ट ने उनका चुनाव रद्द कर दिया। सुप्रीमकोर्ट ने राष्ट्रपति से बाल ठाकरे पर कार्रवाई की सिफारिश भी की थी। राष्ट्रपति ने चुनाव आयोग से सिफारिश ले कर बाल ठाकरे के मताधिकार पर छह साल के लिए रोक लगा दी थी।

गाजियाबाद चुनावी धांधली से उपजते तल्ख सवाल

कमलेश पांडे

लोकतंत्र का महापर्व चुनाव होता है, लेकिन जब चुनाव में ही धांधली हो जाए और प्रशासनिक अमला हाथ पर हाथ धरा बैठा नजर आए, तो फिर कहा किससे जाए, यक्ष प्रश्न है! इतना ही नहीं, यदि प्रशासन के कुछ खास लोग ही सत्तापक्ष से मिले हुए प्रतीत हों, जैसे कि खुलेआम आरोप सोशल मीडिया पेजों पर चस्पां हुए, तो फिर कहने को कुछ शेष नहीं रह जाता है। ऐसे में गाजियाबाद लोकसभा चुनाव 2024 में हुई चुनावी धांधली से उपजते सवाल का जवाब अवाम अवश्य चाहेगी, क्योंकि उसके जनादेश का गला घोंटने का जो दुस्साहस किया गया है, उसे अनुत्तरित नहीं छोड़ा जा सकता।

मसलन, उत्तरप्रदेश में दूसरे चरण के मतदान के दौरान इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा, एमबीए ने ट्वीट करते हुए कहा कि गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने में केंद्रीय चुनाव आयोग विफल रहा है। उनके कहने का तातपर्य यह है कि जब केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के लोगों के इशारे पर ही स्थानीय प्रशासन और उससे जुड़े लोगों को कार्य करना है, तो फिर कहने को कुछ शेष नहीं रह जाता है! पहला, डॉली शर्मा ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स (ट्वीटर) पर लिखा है कि सूर्यनगर इलाके में भाजपा ने सुबह हमारी टेबल हटा दी। फिर से टेबल लगी, लेकिन ये लोग बार बार झंडे हटा देते हैं। ये क्या गुंडागर्दी नहीं है? अपने ट्वीट में उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग के उच्चाधिकारियों को टैग करते हुए लिखा कि मैं इलेक्शन कमीशन से कहना चाहती हूं कि कृपया शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव हो, उसका इंतजाम किया जाए। क्योंकि भाजपा

लगातार जिस तरीके से धांधली कर रही है, बीएलओ से पर्चियां छीनी गई हैं और वो भाजपा प्रत्याशी के लिफाफे में डालकर भेजी जा रही हैं, वह अपने आप में एक गम्भीर सवाल खड़ा करता है? दूसरा, डॉली शर्मा ने आगे एक्स (ट्वीटर) पर एक वीडियो टैग करते हुए लिखा है कि ब्रिजविहार डीएवी स्कूल पर प्रतिक्रिया देखिए। भाजपा ने बीएलओ से पर्चियां छीनकर अपनी जेबों में रखी है। उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा है कि @ECISVEEP ये कौन सा चुनाव है? इस वीडियो में एक व्यक्ति बोल रहा है कि जातिविशेष व सम्प्रदाय विशेष के इलाकों में बीएलओ ने पर्चियां बांटी ही नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकर्ताओं को बांटने के लिए दे दी, जिन्होंने अपने मनमाफिक कार्य किया। यह प्रशासनिक मिलीभगत का नतीजा नहीं तो क्या है? क्योंकि इससे कांग्रेस और इंडिया गठबंधन समर्थक वोट देने ही नहीं निकले, क्योंकि उनके पास पर्चियां ही नहीं थीं।

तीसरा, डॉली शर्मा ने @ECISVEEP को टैग करते हुए आगे लिखा है कि 2 घण्टे से बूथ संख्या 335 गाजियाबाद लोकसभा के नाहल में 2 घण्टे से मशीन बन्द है, हर जगह मुस्लिम इलाकों में वोटिंग स्लो कर रखी है, वोटरों को धमकाया जा रहा है। उनकी इन टिप्पणियों पर उनके समर्थकों ने कहा है कि इससे केंद्रीय चुनाव आयोग की साख पर बट्टा नहीं तो क्या लगेगा, आप समझदार हैं! चतुर्थ, कांग्रेस उम्मीदवार डॉली शर्मा ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा की तानाशाही चरम पर है। मुस्लिम इलाकों में वोटिंग रोककर और लाइट काटकर वोटिंग को बाधित करने का लगातार प्रयास किया गया। यह साजिश नहीं तो क्या है? उन्होंने अपने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स और फेसबुक पर @ECISVEEP और #Ghaziabad को टैग करते हुए उपर्युक्त बातें लिखी हैं। पंचम, उन्होंने @dm_ghaziabad @ECISVEEP मुरादनगर #Ghaziabad को टैग करते हुए लिखा कि मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र में बूथ नम्बर-119 से 123 तक वोट डाली जा रही है, लेकिन हमारे एजेंट्स बाहर कर दिए गए हैं। आखिर ये क्या हो रहा है? लोकतंत्र की हत्या है सीधी की सीधी!

छठा, शहीद नगर में दौनाराम स्कूल और एकता स्कूल पर 4 बजे से लाइट नहीं है। कृपया ध्यान दीजिए। आखिर किसके आदेशों से ऐसा हो रहा है। वहीं, हर एक घण्टे में साहिबाबाद इलाके में शहीदनगर में विकास मॉडर्न स्कूल की लाइट काटी जा रही है। @ECISVEEP ऐसा क्यों? क्या इसी को फ्री एंड फेयर इलेक्शन कहते हैं? सातवां, सरदार पटेल स्कूल, विजय नगर में 45 मिनट से मशीन बन्द है और बूथ पर फर्जी वोट डाली जा रही है। लेकिन @ECISVEEP आपके सहायक रिटर्निंग ऑफिसर फोन नहीं उठा रहे हैं। भाजपा अब खुलकर चोरी कर रही है। वहीं, बूथ नम्बर- 425 कंपोजिट विद्यालय डासना गेट, गाजियाबाद में वहां के चुनाव कर्मी वोट नहीं डालने दे रहे हैं।

अपेक्षाकृत कम मतदान होने के मायने

अवधेश कुमार

लोकसभा चुनाव के प्रथम एवं दूसरे चरण में लगातार मतदान की गिरावट चिंता का विषय बनी है, तो यह स्वाभाविक ही है। अब तक 12 राज्यों (केरल, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु, उत्तराखंड, अरुणाचल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम) तथा तीन केंद्र शासित प्रदेशों (अंडमान, लक्षद्वीप और पुदुचेरी) का मतदान संपन्न हो चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर देखें, तो औसत मतदान में गिरावट नहीं है। राज्यों एवं राज्यों के अंदर संसदीय क्षेत्रों में भी मतदान प्रतिशत कहीं ठीक है, तो कहीं गिरा है। अगर दोनों चरणों के 190 सीटों पर 2019 के मतदान प्रतिशत से तुलना करें, तो लगभग दो प्रतिशत की गिरावट ही दिखती है। दूसरे चरण में लगभग 68.49 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 में 70.05 प्रतिशत से ज्यादा हुआ था। त्रिपुरा में सर्वाधिक 79.66 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का उपयोग किया, तो मणिपुर में 78.78 प्रतिशत ने। असम में 2019 में 76.45 की जगह 77.35, छत्तीसगढ़ में 75 प्रतिशत की जगह 75.16, कर्नाटक में 68.21 की जगह 68.47, केरल में लगभग 80 की जगह 70.21, बिहार में करीब 60 की जगह 56.81, मध्य प्रदेश में 67.75 की जगह 58.26, महाराष्ट्र में 61.93 की जगह 59.63, पश्चिम बंगाल में 80 की जगह 73.78 और उत्तर प्रदेश में 62.39 की जगह 54.8 प्रतिशत मतदान हुआ। मध्यप्रदेश में नौ तथा उत्तर प्रदेश में आठ प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट असाधारण है। निश्चित रूप से इन दो चरणों ने मतदान की प्रवृत्तियों का आकलन कठिन बना दिया है। अभी तक 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वर्तमान मतदान को देखते हुए तत्काल यह मानना होगा कि उससे आगे बढ़ने की संभावना नहीं है। जब एक बार कोई भी प्रवृत्ति ऊंचाई छूती है, तो उसके बाद उसे नीचे आना ही पड़ता है। हालांकि राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा और जन जागरूकता को देखते हुए मतदान प्रतिशत में निस्संदेह वृद्धि होनी चाहिए थी। आगे के दौर में सभी कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा मतदान हो, किंतु राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखकर ज्यादा निराश होने का कोई कारण नहीं है। नागालैंड में मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा क्योंकि छह जिलों में ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स फ्रंट ने अलग राज्य की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था। ऐसे में मतदान प्रतिशत गिरना ही था। इसे मतदान की प्रवृत्ति नहीं मान सकते। करीब डेढ़ दशक पहले मतदान घटने का अर्थ सत्तारूढ़ घटक की विजय तथा बढ़ने का अर्थ पराजय के रूप में लिया जाता था और प्राय: ऐसा देखा भी गया। किंतु 2010 के बाद प्रवृत्ति बदली है। मतदान बढ़ने के बावजूद सरकारें वापस आयी हैं और घटने के बावजूद गयी हैं। इसलिए इसके आधार पर कोई एक निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। दूसरे, हर जगह मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा भी नहीं है। तीसरे, बंगाल में साफ दिख रहा है कि दोनों पक्षों के मतदाताओं में प्रतिस्पर्धा है। उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा गिरावट नहीं है, किंतु ज्यादातर में कमी आयी है।

वैशाख मास में जल दान, नदी स्नान और तीर्थ दर्शन करने की है परंपरा

डा. अनीष व्यास भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि स्कंद, पद्म, ब्रह्मवैवर्त पुराण और महाभारत में वैशाख महीने को बहुत खास बताया गया है। इन ग्रंथों में कहा गया है कि वैशाख मास में सूर्योदय से पहले स्नान करने, जलदान और तीर्थ में नहाने से हर तरह के दुख खत्म हो जाते हैं।

24 अप्रैल से हिन्दी पंचांग का दूसरा महीना वैशाख शुरू गया है। ये महीना 23 मई तक रहेगा। वैशाख मास में गर्मी पूरे प्रभाव होती है। इस कारण इन दिनों में जल दान करने का महत्व है। इस महीने में अक्षय तृतीया (10 मई) और बुद्ध पूर्णिमा (23 मई) जैसे बड़े व्रत-पर्व आएंगे। वैशाख महीने में अपने घर के बाहर पक्षियों के लिए जल और अन्न की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। इन दिनों में अधिकतर नदी-तालाब सूख जाते हैं, जिससे पक्षियों को पीने का पानी नहीं मिल पाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस महीने में सूर्य अपने पूरे प्रभाव में रहता है, इस वजह से गर्मी रहेगी। इसी वजह से वैशाख महीने में जल और छाया दान करने का महत्व काफी अधिक है। वैशाख महीना धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत खास है। इन दिनों में किए गए जल दान का अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य यानी इस पुण्य का शुभ असर जीवन भर बना रहेगा। शास्त्रों में लिखा है कि विद्याओं में वेद श्रेष्ठ है, मंत्रों में प्रणव, वृक्षों में कल्प वृक्ष श्रेष्ठ है। गायों में कामधेनु और देवताओं में विष्णु जी श्रेष्ठ हैं। नदियों में गंगा और अस्त्र-शस्त्रों में चक्र श्रेष्ठ है। धातुओं में सोना और रत्नों में कौस्तुभ मणि श्रेष्ठ है, ठीक इसी तरह हिन्दी पंचांग के सभी 12 महीनों में वैशाख महीना श्रेष्ठ है।

स्कंदपुराण के अनुसार

न माधवसमो मासो न कृतेन युगं समम। न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गंङ्गया समम।।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया किस्कंद पुराण के इस श्लोक के अनुसार वैशाख के समान कोई और मास नहीं है। सत्ययुग के समान कोई युग नहीं है। वेद के समान को शास्त्र नहीं है और गंगा जी के समान कोई तीर्थ नहीं है। वैशाख मास शुक्रवार से शुरू होगा और शुक्रवार को ही खत्म होगा। मान्यता है कि इस माह में किए गए पूजा-पाठ से अक्षय पुण्य मिलता है और भगवान की कृपा से भक्त की सभी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। ये महीना वृक्षों में कल्पवृक्ष के समान और शिवजी, विष्णु को प्रसन्न करने वाला माना गया है।

पद्मपुराण, पातालखण्ड के अनुसार

यथोमा सर्वनारीणां तपतां भास्करो यथा ।
आरोग्यलाभो लाभानां द्विपदां ब्राह्मणो यथा।।
परोपकार: पुण्यानां विद्यानां निगमो यथा। मंत्राणां
प्रणवो यद्वद्धुयानानामात्मचिंतनम् ।।
सत्यं स्वधर्मवर्तित्वं तपसां च यथा वरम।
शौचानामर्थशौचं च दानानामभयं यथा ।।
गुणानां च यथा लोभक्षयो मुख्यो गुण: स्मृत:।
मासानां प्रवरो मासस्तथासौ माधवो मत: ।।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि जैसे सम्पूर्ण स्त्रियों में पार्वती, तपने वालों में सूर्य, लाभों में आरोग्यलाभ, मनुष्यों में ब्राह्मण, पुण्यों में परोपकार, विद्याओं में वेद, मन्त्रों में प्रणव, ध्यानों में आत्मचिंतन, तपस्याओं में सत्य और स्वधर्म-पालन, शुद्धियों में आत्मशुद्धि, दानों में अभयदान तथा गुणों में लोभ का त्याग ही सबसे प्रधान माना गया है, उसी प्रकार सब मासों में वैशाख मास अत्यंत श्रेष्ठ है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि महाभारत अनुशासन पर्व अध्याय 106 के अनुसार

निस्तरेदेकभक्तेन वैशाखं यो जितेन्द्रिय:। नरो वा यदि वा नरी ज्ञातीनां श्रेष्ठतां व्रजेत्।।

जो स्त्री अथवा पुरूष इन्द्रिय संयम पूर्वक एक समय भोजन करके वैशाख मास को पार करता है, वह सहजातीय बन्धु-बान्धवों में श्रेष्ठता को प्राप्त होता है।

दत्तं जप्तं हुतं स्नातं यद्धत्कृया मासि माधवे। तदक्षयं भवेद्धूप पुण्यं कोटिशताधिकम् ।।

माधवमास में जो भक्तिपूर्वक दान,जप, हवन और स्नान आदि शुभकर्म किये जाते हैं, उनका पुण्य अक्षय तथा सौ करोड़ गुना अधिक होता है।

प्रात:स्नानं च वैशाखे यज्ञदानमुपोषणम। हविष्यं ब्रह्मचर्यं च महापातकनाशनम् ।।

वैशाख मास में सवेरे का स्नान, यज्ञ, दान, उपवास, हविष्य-भक्षण तथा ब्रह्मचर्य का पालन - ये महान पातकों का नाश करने वाले हैं।

स्नान और जलदान का महत्व

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि स्कंद, पद्म, ब्रह्मवैवर्त पुराण और महाभारत में वैशाख महीने को बहुत खास बताया गया है। इन ग्रंथों में कहा गया है कि वैशाख मास में सूर्योदय से पहले स्नान करने, जलदान और तीर्थ में नहाने से हर तरह के दुख खत्म हो जाते हैं। वैशाख महीने में इन कामों को करने से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

भगवान विष्णु की पूजा

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल या किसी पवित्र नदी का जल मिलाकर नहाएं। इसके बाद सूर्य को अर्घ्य दें। भगवान विष्णु की पूजा करने का संकल्प लें। पूजा किसी ब्राह्मण से करवाएंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा।भगवान विष्णु को पंचामृत से स्नान कराएं। चरणामृत ग्रहण करें। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। भगवान को फूल, धूप, नैवेद्य आदि सामग्री चढ़ाएं। दीपक जलाएं। विष्णु सहस्त्रनाम का जाप करें। व्रत की कथा सुनें। दूसरे दिन यानी द्वादशी पर ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान देकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

वैशाख मास में करें शुभ काम

भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं।भगवान विष्णु के साथ ही देवी महालक्ष्मी की पूजा भी करें। किसी मंदिर जाएं और ध्वज यानी झंडे या पानी से भरे मटके का दान करें। शिवजी के सामने दीपक जलाएं और श्रीराम नाम का जाप 108 बार करें। शिवलिंग पर जल चढ़ाएं, काले तिल चढ़ाएं। इस माह में हमें सूर्यादय से पहले उठ जाना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत करें। वैशाख में तीर्थ दर्शन करें और नदियों में स्नान करें। अगर यात्रा नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।ये गर्मी का समय है। इस महीने में पानी का दान करें। किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ लगाएं या किसी प्याऊ में मटके का दान करें। इस माह में जो व्यक्ति प्याउ लगवाता है, वह देवता, ऋषि और पितर सभी को तृप्त करता है। प्यासों के लिए पानी और धूप से बचने के लिए छाते का दान करें। जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल का भी दान करें। आप चाहें तो किसी मंदिर में पंखों का दान भी कर सकते हैं।

वैशाख मास नहीं करना चाहिए

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैशाख मास में सुबह देर तक सोने से बचना चाहिए। इन दिनों में सूर्योदय जल्दी हो जाता है, ऐसे में जल्दी उठें और उगते सूर्य को जल चढ़ाएं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए कुछ देर व्यायाम जरूर करें। उठने में देरी करेंगे तो गर्मी बढ़ जाएगी और व्यायाम करने का मन नहीं होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। गर्मी के दिनों में उचित मात्रा में पानी जरूर पिएं। खाने में ऐसी चीजें लें, जिन्हें पचाना आसान हो। जहां तक संभव हो सके ताजा खाना ही खाएं। बासी खाना खाने से बचें, क्योंकि गर्मी की वजह से खाना जल्दी खराब हो जाता है। गर्मी के दिनों में धूप में बहुत ज्यादा घूमने से बचना चाहिए। अगर धूप में जाना बहुत जरूरी हो तो छाता लेकर जा सकते हैं। भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि स्कंद और पद्म पुराण में लिखा है कि इस महीने में स्नान-दान करने से अश्वमेध यज्ञ करने जितना पुण्य मिलता है। इस महीने भगवान विष्णु की पूजा के अलावा अन्य देवी-देवताओं की पूजा से मिलने वाला पुण्य बढ़ जाता है। वैशाख महीने में कई तीज-त्योहार रहेंगे जिनमें व्रत-उपवास करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

संकष्टी चतुर्थी (27 अप्रैल)- इस दिन विकट चौथ व्रत किया जाएगा। गणेशजी के विकट रूप की पूजा होगी और सूर्यास्त के बाद चंद्र पूजन कर के अर्घ्य देकर व्रत खोला जाएगा।

वरुथिनी एकादशी (4 मई)- इस दिन वरुथिनी एकादशी होने से भगवान विष्णु की विशेष पूजा, अभिषेक और व्रत रखा जाएगा। इस व्रत से कई यज्ञों का पुण्य मिलता है।

वैशाख अमावस्या (8 मई)- इस दिन वैशाख महीने की अमावस्या है। ये पितरों की पूजा का पर्व है। इस दिन स्नान-दान करना पुण्यदायी माना जाता है।

अक्षय तृतीया (10 मई)- ये स्नान-दान और खरीदारी का महा पर्व है। इस दिन भगवान परशुराम का प्रकट्य उत्सव भी मनाते हैं।

गंगा सप्तमी (14 मई)- इस दिन गंगा पूजा और स्नान करने की परंपरा है। वैशाख महीने की इसी सप्तमी तिथि पर जन्हु ऋषि ने देवी गंगा को अपने कान से मुक्त किया था।

मेष संक्रांति (14 मई)- इस दिन सूर्य वृष राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य के राशि परिवर्तन के इस पर्व पर स्नान-दान करने से जो पुण्य मिलता है उसका शुभ फल कभी खत्म नहीं होता।

सीता नवमी (16 मई)- कुछ ग्रंथों और मान्यता के मुताबिक वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर देवी सीता प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन देवी सीता की पूजा होती है।

मोहिनी एकादशी (19 मई)- वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी होने से ये दिन बहुत पुण्य देने वाला माना गया है। इसी तिथि पर भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार लिया था।

वैशाख पूर्णिमा (23 मई)- ये वैशाख महीने की आखिरी तिथि रहेगी। इस दिन स्नान-दान से कई यज्ञ करने जितना पुण्य मिलता है। इस दिन बुद्ध जयंती मनाई जाएगी।

कब से लग रहा है नौतपा, इन 9 दिनों में आग उगलेगा आसमान

गर्मी धीरे-धीरे अपना प्रचंड रूप धारण कर रही है। मई के महीने के 9 दिन तापमान सबसे अधिक होगा और उस अवधि को ज्योतिष में नौतपा कहा जाता है। नौतपा का आरंभ 25 मई को होगा और सूर्य व पृथ्वी के बीच की दूरी इस वक्त सबसे कम हो जाएगी। आइए जानते हैं इसके महत्व के बारे में विस्तार से।

नौतपा का आरंभ इस साल 25 मई से होगा, जब सूर्य आग उगलना आरंभ करेंगे। नौतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक चलेगा। सूर्य 25 मई को सुबह को 3 बजकर 16 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और उसके बाद 2 जून को 7 जून को सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में जाएंगे। शुरू के 9 दिन सबसे भीषण गर्मी होने की वजह से इसे नौतपा कहते हैं। इन 9 दिन को सबसे ज्यादा भीषण गर्मी पड़ेगी।

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल ज्येष्ठ मास की शुरुआत में नौतपा आरंभ होता है। नौतपा 15 दिनों का होता है, लेकिन शुरू के 9 दिन सबसे अधिक गर्मी पड़ने की वजह से इसे नौतपा कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह नक्षत्र 15 दिन रहता है लेकिन, शुरू के 9 दिन नौतपा कहलाते हैं। इन दिनों में तापमान सबसे अधिक रहता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसका यह है कि मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है। सूर्य की किरणें इन दिनों सीधे धरती पर पड़ती है, इसलिए गर्मी इन दिनों में सबसे अधिक होती है।

नौतपा में करें सूर्य देव की उपासना नौतपा के दौरान सूर्यदेव अपनी प्रचंड मुद्रा में होते हैं इसलिए इस वक्त सभी को सूर्य की आराधना करनी चाहिए। ऐसा करने से आपके परिवार के सभी लोग इस भीषण गर्मी के दौरान भी स्वस्थ रहते हैं। सूर्य की पूजा से जुड़े उपाय करने से आपको लाभ होता है और सुख समृद्धि बढ़ती है। इस दौरान जल, दही, दूध, नारियल पानी और ठंडे पदार्थों का सेवन करना चाहिए और साथ ही इन वस्तुओं का दान भी करना चाहिए।

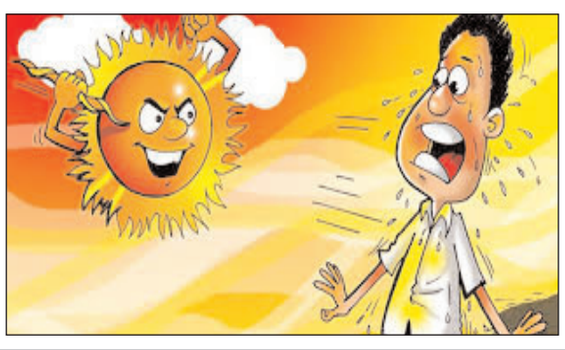

यहां राजा राम को पांच बार गार्ड ऑफ ऑनर देती है पुलिस

जानें देश भर में के प्राचीन राम मंदिर में क्या है खास

17 अप्रैल को रामनवमी के मौके पर अयोध्या में जोरदार तैयारियां चल रही हैं। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार राम नवमी का पर्व मनाया जा रहा है और इस मौके पर रामलला का अभिजीत मुहूर्त में यानी दोपहर 12 बजे सूर्याभिषेक भी किया जाएगा। राम नवमी के मौके पर श्रद्धालुओं के लिए खास तैयारियां की गई हैं, क्योंकि सभी अपने आराध्यत के दर्शन करना चाहते हैं। हालांकि राम हर दिल में बसते हैं और इसी वजह से देश और दुनिया में उनके भव्य मंदिर बने हुए हैं। आज हम आपको भगवान राम के कुछ ऐसे मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां वनवास के दौरान भगवान कुछ समय के लिए रुके थे। आइए जानते हैं भगवान राम के मंदिरों के बारे में...

रामलला मंदिर, अयोध्या

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। धर्म शास्त्रों के अनुसार, जहां रामलला का मंदिर है, वहीं भगवान राम का जन्म हुआ था। बताया जा रहा है कि इस बार रामनवमी के मौके पर भगवान राम का सूर्याभिषेक किया जाएगा। यहां भगवान राम के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है और 5 साल के बच्चे की मूर्ति स्थापित की गई है। बाल स्वरूप भगवान राम के दर्शन करने पर मन भावुक हो जाता है।

कालाराम मंदिर, नासिक

कालाराम मंदिर महाराष्ट्र के नासिक के पंचवटी क्षेत्र में है। इसका शाब्दिक अर्थ काला राम है। यह मंदिर राम भक्तों की आस्था का बहुत बड़ा केंद्र है। यह पश्चिमी भारत में प्रभु राम के बेहतरीन आधुनिक मंदिरों में से एक है। यहां हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। इस मंदिर में भगवान राम की काले पत्थरों से बनी तकरीबन दो फीट ऊंची प्रतिमा है। साथ ही माता सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां भी स्थापित हैं। मान्यता है कि 14 वर्ष के वनवास के दौरान प्रभु राम अपनी पत्नी माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ यहां पर कुछ दिनों तक ठहरे थे।

सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर, भ्रदाचलम

सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर, जिसे भद्राचलम मंदिर भी कहा जाता है, दक्षिण भारत में गोदावरी नदी के किनारे स्थित प्रभु राम को समर्पित प्रमुख मंदिर है। यह तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडम जिले के भद्राचलम नगर में है। इसे दक्षिण की अयोध्या भी कहा जाता है। यह पवित्र स्थान दुनिया भर से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। भद्राचलम से करीब 32 किलोमीटर दूर पर्णशाला नामक एक जगह है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, प्रभु राम ने अपने 14 वर्षों के वनवास का एक हिस्सा इसी जगह पर बिताया था और रावण ने इसी जगह से देवी सीता का अपहरण किया था। अन्य कथा के अनुसार, प्रभु राम जब सीता को बचाने के लिए गए थे, तब गोदावरी को पार कर इसी स्थान पर रुके थे।

श्रीराजा राम मंदिर, ओरछा

श्रीराजा राम मंदिर, मध्य प्रदेश के ओरछा में है। यहां के बारे में मान्यता है कि प्रभु राम यहां पर रोज रात में सोने आते हैं और सुबह होते ही हनुमानजी उन्हें अयोध्या लेकर वापस चले जाते हैं। बेतवा नदी के किनारे स्थित इस मंदिर को देश के प्रमुख राम मंदिरों में गिना जाता है। मान्यता है कि यहां आज भी राजा राम का ही शासन है। इसी वजह से पुलिस की ओर से राजा राम को दिन में 5 बार गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। यह परंपरा करीब 400 साल से चली आ रही है।

रघुनाथ मंदिर, जम्मू

रघुनाथ मंदिर जम्मू शहर में है। इस मंदिर में न केवल भगवान राम की प्रतिमा है, बल्कि भगवान विष्णु के अन्य अवतारों के भी दर्शन मिलते हैं। जम्मू का प्रसिद्ध रघुनाथ मंदिर सात अलग-अलग मंदिरों से मिलकर बना है। मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां दर्शन करने पर राम भक्तों को 33 कोटि देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। रघुनाथ मंदिर के बाहर से पांच कलश नजर आते हैं, जो लंबाई में फैले हुए हैं। यहां भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण की विशाल मूर्तियां हैं।

रामास्वामी मंदिर, कुंभकोणम

राम को समर्पित रामास्वामी मंदिर तमिलनाडु के कुंभकोणम शहर में कावेरी के तट पर है। यहां पर वैष्णव भक्तों की हर समय भीड़ रहती है। यह देश का एकमात्र मंदिर है, जहां राम के साथ न सिर्फ माता जानकी, बल्कि उनके चारों भाई लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न भी मौजूद हैं। इसके परिसर में कई और छोटे मंदिर भी हैं। इसके अलावा हनुमान की मूर्ति भी प्रार्थना की मुद्रा में स्थापित है।

कोदंड राम मंदिर, चिकमंगलूर

कोदंड राम मंदिर कर्नाटक के चिकमंगलूर जिले में है। यह राम भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। इस मंदिर की खासियत है कि यहां पर माता सीता, भगवान राम और लक्ष्मण के दाहिनी ओर खड़ी हुई हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, कोदंड राम मंदिर ठीक उसी स्थान पर है, जहां भगवान श्रीराम ने बाली का वध किया था। वहीं, कहा जाता है कि सीता विवाह के वक्त परशुराम ने श्रीराम को कोदंड धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने की चुनौती दी थी। यह धनुष भगवान विष्णु ने परशुराम को दिया था। कथाओं के मुताबिक, कोदंड की प्रत्यंचा चढ़ाने के तरीके से परशुराम पहचान गए थे कि श्रीराम ही विष्णु के अवतार है। दक्षिण भारत में लोग प्रभु राम को कोदंड राम के रूप में ही पूजते हैं।

श्री राम तीर्थ मंदिर, अमृतसर

पंजाब का अमृतसर न सिर्फ स्वर्ण मंदिर, बल्कि प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए भी जाना जाता है। रामायण काल से जुड़े इस मंदिर के बारे में ऐसी मान्यता है कि जब लंका से लौटने के बाद प्रभु राम ने माता सीता का त्याग किया था, तब सीताजी ने इसी स्थान पर महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में शरण ली थी। यहीं पर माता सीता ने लव और कुश को जन्म दिया था। कहते हैं कि वाल्मीकिजी ने रामायण की रचना इसी स्थान पर की थी। साथ ही इसी आश्रम में उन्होंने लव व कुश को शस्त्र चलाने की शिक्षा दी थी। यही कारण है कि अयोध्या की तरह इस मंदिर के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु हर दिन बड़ी संख्या में आते हैं। इस मंदिर में महर्षि वाल्मीकि की 8 फीट ऊंची गोल्ड प्लेटेड प्रतिमा है।

त्रिप्रायर श्रीराम मंदिर, त्रिशूर

त्रिप्रायर श्री राम मंदिर, केरल के त्रिशूर शहर में है। लोगों का विश्वास है कि इस मंदिर में पूजा करने से व्यक्ति बुरी बलाओं से बचा रहता है। मंदिर में स्थापित राम की मूर्ति को लेकर मान्यता है कि इसकी पूजा स्वयं भगवान श्रीकृष्ण करते हैं। मंदिर परिसर में एक गर्भगृह और एक नमस्कार मंडपम है, जहां रामायण काल के चित्र हैं और नवग्रहों को दर्शाती लकड़ी की नक्काशी और प्राचीन भित्ति चित्र हैं। यहां पारंपरिक कलाओं जैसे कोटू (नाटक) का नियमित प्रदर्शन किया जाता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

लखनऊ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया नामांकन

लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री और लखनऊ लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार राजनाथ सिंह ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल किए जाने से पहले राजनाथ सिंह ने लखनऊ में हनुमान सेतु मंदिर में पूजा की थी। उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और हनुमान मंदिर में दर्शन किए। यहां से वह पार्टी रथ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व अन्य नेताओं के साथ नामांकन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान मोहनलालगंज से भाजपा प्रत्याशी कौशल किशोर भी मौजूद रहे। लखनऊ में पार्टी कार्यालय के बाहर समर्थकों का हुजूम देखने को मिला था। ढोल नगाड़े के साथ लोग जुलूस में शामिल होने के लिए लोगों में काफी उत्साह नज़र आ रहा था। लखनऊ संसदीय सीट से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए रविवार रात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ पहुंचे थे।

सोरेन की अंतरिम जमानत पर सुको ने ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। इस दौरान शीर्ष अदालत ने धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। गौरतलब है, शीर्ष अदालत में हाईकोर्ट द्वारा याचिका पर फैसला सुनाने में देरी करने और धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की दो न्यायाधीशों की पीठ झामुमो नेता की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान पीठ ने ईडी को नोटिस जारी किया और छह मई तक उससे जवाब मांगा। अदालत ने कहा कि मामले में सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट अपना फैसला सुना सकता है। यह आदेश 28 फरवरी को सुरक्षित रखा गया था। सोरेन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अरुणाभ चौधरी ने कहा कि वे मामले में अंतरिम जमानत चाहते हैं।

ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से लगा बड़ा झटका

नईदिल्ली। संदेशखाली मामले में सुप्रीम कोर्ट से पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने संदेशखाली में जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपों की सीबीआई जांच के कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। अदालत ने आगे लंबी कानूनी लड़ाई का संकेत देते हुए अगली सुनवाई जुलाई के लिए निर्धारित की है। पश्चिम बंगाल सरकार ने संदेशखाली भूमि हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपों की व्यापक सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती देते हुए अपनी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट ले गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार को एक बड़ा झटका देते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल के अपने फैसले में पूरी तरह से सीबीआई जांच को अनिवार्य कर दिया, साथ ही अदालत जांच की निगरानी भी करेगी।

झारखंड में सभी 14 लोकसभा सीट जीतेगा 'इंडिया' गठबंधन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने दावा किया कि राज्य की सभी 14 लोकसभा सीट पर 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार जीत दर्ज करेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता चंपई सोरेन ने संवाददाताओं से कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य के कोल्हान क्षेत्र में जो हुआ वह लोकसभा चुनाव में पूरे झारखंड में दोहराया जाएगा। झामुमो और इसके गठबंधन सहयोगियों ने 2019 में कोल्हान क्षेत्र की सभी 14 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा, 2019 के लोकसभा चुनाव में हम पिछड़ गए थे, लेकिन कोल्हान क्षेत्र में अपने सहयोगियों के साथ सभी 14 विधानसभा सीट जीतकर अपनी स्थिति फिर से हासिल करने में कामयाब रहे। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए सोरेन ने आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने शिक्षा और रोजगार के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि लोगों को केवल जुमले देने का काम किया।

कांग्रेस के इंदौर से उम्मीदवार ने वापस लिया नामांकन

भोपाल। मौजूदा लोकसभा चुनावों के बीच कांग्रेस पार्टी को एक और झटका देते हुए इंदौर से उसके उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। वह अपना नामांकन वापस लेने के लिए बीजेपी विधायक रमेश मेंदोला के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। इस घटनाक्रम की पुष्टि तब हुई जब मध्य प्रदेश के मंत्री और भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने बंब की तस्वीर पोस्ट की और लिखा पार्टी में आपका स्वागत है। विजयवर्गीय की पोस्ट में लिखा, भाजपा इंदौर से कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय कांति बंब का स्वागत करती है। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनाव 2024 में मतगणना से पहले अपना खाता खोल लिया था। पार्टी उम्मीदवार मुकेश दलाल ने सूरत सीट पर निर्विरोध जीत हासिल की है। इससे पहले सूरत लोकसभा सीट से बीजेपी के मुकेश दलाल को छोड़कर सभी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया था।

कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री, कहा- आपके बच्चे भूखे मर जाएं ऐसी स्थिति पैदा करेंगे

कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक को लूट का एटीएम बना लिया है

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को कर्नाटक में थे। यहां उन्होंने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह आपका वोट है जो मोदी को मजबूत करेगा और फिर देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत को विनिर्माण केंद्र और कौशल केंद्र बनाना हमारा संकल्प है। पीएम ने कहा कि जो लोग छुट्टियों का आनंद लेते हैं उनके संकल्प पूरे नहीं हो सकते। पीएम मोदी ने कहा कि जिस कांग्रेस का इतिहास देश को लूटने का रहा है, क्या उन्हें हम इतना बड़ा देश दे सकते हैं क्या। 60 साल के शासन में कांग्रेस की पहचान उनका पापों के कारण बनी है।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक को भी अपनी लूट का एटीएम बना लिया है। इतने कम समय में ही इन लोगों ने कर्नाटक का सरकारी खजाना खाली कर दिया है। विधायकों को विकास कार्य के लिए फंड नहीं मिल रहा है। कांग्रेस कर्नाटक में ऐसी स्थिति पैदा करेगी कि यहां के सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने के लिए इनके पास पैसे नहीं होंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि वह एक झटके में देश से गरीबी दूर कर देंगे। पीएम ने कहा कि क्या उन्हें मालूम नहीं कि देश में उनकी सरकार 60 साल तक रहीं, क्या उन्होंने गरीबी दूर की। पीएम मोदी ने आगे कहा कि कर्नाटक में कोई दुकानदार अपनी दुकान के अंदर हनुमान चालीसा पढ़ता है तो उस पर हमला हो जाता है। बेंगलुरु के चर्चित कैफे में आतंकवादी हमला होता है और यह कहते हैं गैस सिलिंडेर फटा है। अरे भई सिलेंडर फटा है या फिर आपका दिमाग फटा है।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक में सरकार नहीं बल्कि वसूली गैंग चला रही है। कर्नाटक जो टेक हब के रूप में जाना जाता है और दुनिया में अपना नाम बना चुका है, कांग्रेस ने यह एक टैंकर हब है। ये लोग 2जी घोटाले जैसे घोटाले का सपना देख रहे हैं।

के नाम पर वोट मांगकर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की मांग वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी। हाई कोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। याचिका खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि याचिका पूरी तरह से गलत है और अदालत ईसीआई को किसी भी शिकायत पर विशेष दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश नहीं दे सकती।

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में पीएम मोदी द्वारा दिए गए भाषण में उन्होंने मतदाताओं से हिंदू देवी-देवताओं और हिंदू पूजा स्थलों के साथ-साथ सिख देवताओं और सिख पूजा स्थलों के नाम पर उनकी पार्टी को वोट देने की अपील की। ईसीआई की ओर से पेश होते हुए, वकील सिद्धांत कुमार ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वह दैनिक आधार पर ऐसे आवेदनों से निपट रहा है और कानून के अनुसार कार्रवाई करेगा। उन्होंने अभ्यावेदन दाखिल कर दिया है और हम इस पर कार्रवाई करेंगे।% आयोग एक संवैधानिक संस्था है।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता का मानना ??है कि एमसीसी का उल्लंघन हुआ है। यह पूर्णत: अनुचित है। याचिका गुणहीन होने के कारण खारिज की जाती है। हाल ही में, कांग्रेस ने राजस्थान में एक चुनावी रैली में मुसलमानों पर %घुसपैठिए% वाली टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री के खिलाफ चुनाव आयोग का रुख किया था। चुनाव आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि सभी स्टार प्रचारक उनसे अपेक्षित उच्चतम स्तर का संवाद बनाए रखें।

पीएम मोदी के चुनाव लड़ने पर बैन लगाने की याचिका हाई कोर्ट ने की खारिज

नईदिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने हालिया भाषण के दौरान कथित तौर पर भगवान और पूजा स्थल

इंडिया गठबंधन में एक नहीं 4 पीएम कैंडिडेट : अमित शाह

पटना। लोकसभा चुनाव को लेकर आईएनडीआईए गठबंधन की ओर पीएम पद के प्रत्याशी को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने बड़ा दावा किया है। विपक्षी दलों के गठबंधन में शामिल दलों को निशाने पर लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एक चेहरा होता है, लेकिन यहां तो इस पद को भी साझे के साथ संचालित करने की बात हो रही है। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए शाह ने दावा किया कि पीएम पद के लिए राहुल गांधी चौथे नंबर है, जबकि पहले, दूसरे और तीसरे नंबर क्षेत्रीय दलो को नेता हैं। इंडी गठबंधन को निशाने पर लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार (29 अप्रैल) को कहा कि देश में करीब तीन दशक तक केंद्र में अस्थिर सरकार रही। जिसकी कीमत देश को चुकानी पड़ी। शाह ने एएनआई से बातचीत के दौरान कहा, इस देश ने 3 दशकों तक अस्थिरता की कीमत चुकाई, 3 दशकों तक अस्थिर सरकारें चलीं लेकिन पिछले 10 वर्षों में देश को एक मजबूत नेतृत्व मिला है, देश को स्थिरता मिली है। न केवल राजनीतिक स्थिरता है, बल्कि राजनीतिक स्थिरता भी है। शाह ने आगे कहा कि एडीए को छोड़कर पूर्व की सरकारों में नीतियों और विकास कार्यक्रमों को लेकर भी स्थिरता रही है। शाह ने दावे के साथ कहा, अब अगर इंडिया गठबंधन कहता है कि शरद पवार को एक साल के लिए (पीएम) चुना जाएगा, ममता जी को एक साल के लिए चुना जाएगा, स्टालिन को एक साल के लिए चुना जाएगा। अगर किसी भी परिस्थिति में स्टालिन ने पद छोड़ दिया तो राहुल जी चुने जायेंगे...देश ऐसे नहीं चलता...।

प्रधानमंत्री हमारे न्याय पत्र के बारे में गोएबल्स से प्रेरणा ले कर बात करते हैं : जयराम रमेश

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उसके चुनावी घोषणा पत्र के बारे में जर्मनी के पूर्ववर्ती नाजी प्रचार मंत्री जोसेफ गोएबल्स से प्रेरणा ले कर बात करते हैं। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र नाम दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, ''संपूर्ण राजनीति विज्ञान में एमए के लिए नरेन्द्र मोदी जी ने निश्चित रूप से प्रचार के संबंध में जोसेफ गोएबल्स को पढ़ा होगा और उनसे प्रेरणा ली होगी।''

उन्होंने उल्लेख किया कि गोएबल्स ने कहा था, ''यदि आप बहुत बड़ा झूठ बोलते हैं और उसे दोहराते रहते हैं, तो लोग अंतत: उस पर विश्वास करने लगेंगे।'' गोएबल्स जर्मन शासक एडोल्फ हिटलर के प्रचार मंत्री थे। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया, ''एक टीवी चैनल को दिए अपने नवीनतम साक्षात्कार में निवर्तमान प्रधानमंत्री ने एक बार फिर कांग्रेस के न्यायपत्र के बारे में स्पष्ट रूप से, खुलेआम और बेशर्मी से झूठ बोला है। यह एक बार फिर साबित करता है कि मोदी का आदर्श वाक्य हमेशा 'असत्यमेव जयते' रहा है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री जब जब बोलते हैं तो सत्य की बेरहमी से हत्या होती है। प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी के कुछ अन्य वरिष्ठ नेता अपनी चुनावी सभाओं में कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं कि वह लोगों की संपत्ति छीनना चाहती है। मोदी ने हाल की कई चुनावी जनसभाओं में दावा भी किया है कि कांग्रेस अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को मुस्लिम समुदाय को देना चाहती है।

प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी के शब्दों को दुर्भावनापूर्ण ढंग से तोड़-मरोड़कर पेश किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों और भावनाओं को भड़काने के लिए पार्टी नेता राहुल गांधी के हर बयान को दुर्भावनापूर्ण तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया है। इससे पहले आज, कर्नाटक

में एक चुनावी रैली में, पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर भारत में राजाओं और महाराजाओं का अपमान करने लेकिन सुल्तानों, नवाबों, निज़ामों और बादशाहों द्वारा किए गए अत्याचारों पर चुप रहने का आरोप लगाया। वह राजाओं और महाराजाओं के शासन पर राहुल गांधी के हालिया बयानों का जिक्र कर रहे थे।

पीएम मोदी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री के अभियान भाषण शर्मनाक हैं और वह दयनीय होने से कहीं आगे निकल गए हैं।

जयराम रमेश ने एक्स पर कहा वह (पीएम मोदी) सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों और भावनाओं को भड़काने, उकसाने और भड़काने के लिए दुर्भावनापूर्ण और शरारती तरीके से राहुल गांधी के हर बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं। उनका बाहर जाना अपरिहार्य है और इसका एहसास उन्हें और अधिक हताश कर रहा है। उनके अभियान भाषण वास्तव में शर्मनाक हैं।

हाल ही में एक रैली के दौरान कांग्रेस नेता ने कहा, यह राजाओं और महाराजाओं का शासन था, वे जो चाहें कर सकते थे, अगर उन्हें किसी की जमीन चाहिए तो वे उसे छीन लेते थे, कांग्रेस पार्टी और हमारे कार्यकर्ताओं के साथ देश के लोगों ने आज़ादी हासिल की, लोकतंत्र लाया और देश का संविधान बदल दिया। बयान पर राहुल गांधी पर हमला करते हुए, पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के शहजादे (राजकुमार) के बयान जानबूझकर थे, वोट बैंक की राजनीति और तुष्टीकरण के उद्देश्य से थे।

खेल
प्रमुख समाचार

टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम का एलान

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड ने आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। अनुभवी केन विलियम्सन को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि अंगूठे की चोट के कारण मौजूदा आईपीएल 2024 से बाहर होने वाले डेवोन कॉन्वे की टीम में वापसी हुई है। यह बतौर खिलाड़ी विलियम्सन का छठा टी20 विश्व कप और बतौर कप्तान चौथा टी20 विश्व कप टूर्नामेंट है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि जून के पहले हफ्ते में शुरू होने वाले टी20 टूर्नामेंट के दौरान टीमों के बीच अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखकर टीम का चयन किया गया है।

कोच गैरी स्टीड ने कहा, मैं चुने गए सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूं। ये वो खास खिलाड़ी हैं जो विश्व कप टूर्नामेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करते दिखेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि वेस्टइंडीज में परिस्थितियां काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होंगी। हमने उन परिस्थितियों के मुताबिक अपनी टीम का चयन किया है। कीवी टीम ने हाल ही में कई सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में पाकिस्तान का दौरा किया था, क्योंकि सीनियर खिलाड़ी आईपीएल में व्यस्त हैं। माइकल ब्रेसवेल की कप्तानी में कीवी टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ की। एक मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। ऐसे में दिग्गजों की वापसी से यह टीम काफी मजबूत दिख रही है। कॉन्वे और एलेन को ओपनिंग की जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं, विलियम्सन तीसरे और रचिन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। फिर डेरिल मिचेल और नीशम बड़े शॉट लगाने में माहिर हैं। स्पिन का जिम्मा ब्रेसवेल, सेंटनर और सोढ़ी संभालते दिखेंगे। वहीं, तेज गेंदबाजी का जिम्मा अनुभवी साउदी, हेनरी और फर्ग्यूसन के हाथों में होगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

900 पॉइंट ऊपर चढ़ा सेंसेक्स निफ्टी 22600 के पार

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को शानदार वापसी की। पिछले हफ्ते की सुस्ती को पीछे छोड़ते हुए बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी 50 सूचकांकों में 1% से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स 906 अंक ऊपर चढ़कर इंट्राडे 74,636 के नए शिखर को छू गया। निफ्टी 50 भी 22,600 के पार पहुंचा। हालांकि, व्यापक बाजार में थोड़ी मंदी रही। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में सिर्फ 0.6% की ही बढ़त देखने को मिली। साथ ही, अस्थिरता सूचकांक इंडिया वीआईएक्स में 12% की उछाल आई और यह 12.3 के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय शेयर बाजार में आज आईसीआईसीआई और एसबीआई बैंक के शेयरों ने धूम मचा दी। आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों ने बीएसई पर 5% की उछाल के साथ 1,161 रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर को छू लिया। ये तेजी पिछले तिमाही (मार्च तिमाही) के बैंक के मजबूत नतीजों के बाद आई है।

ओस्टर ग्लोबल ने 440 करोड़ रुपये के फंड की घोषणा की

नईदिल्ली। निवेश कंपनी ओस्टर ग्लोबल ने 440 करोड़ रुपये के कोष का इस्तेमाल देश में उभरते प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों तथा विभिन्न उभरते क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए करने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ओस्टर इंडिया पिनेकल फंड (ओआईपीएफ) स्थापित उपभोग-संचालित क्षेत्रों और उभरते प्रौद्योगिकी-आधारित नवीन क्षेत्रों दोनों को समर्थन देना चाहता है। बयान में कहा गया, ओस्टर के 440 करोड़ रुपये के कोष का इस्तेमाल आरंभिक (प्री-सीरीज ए, सीरीज ए), वृद्धि (सीरीज बी, सी) और अंतिम चरण (सीरीज डी के बाद) उद्यम पूंजी तथा निजी इक्विटी में निवेश के लिए किया जाएगा। ओस्टर ग्लोबल के सह-मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं और सह-संस्थापक रोहित भयाना ने इस कोष का इस्तेमाल रणनीतिक रूप से भारत की उपभोग-संचालित वृद्धि को भुनाने के लिए किया जाएगा।

चालू वित्त वर्ष में 3-5 फीसदी वृद्धि का अनुमान मौजूदा परिवेश के हिसाब से अच्छा

नईदिल्ली। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजयकुमार ने कहा कि कंपनी की वित्त वर्ष 2024-25 में अनुमानित तीन से पांच प्रतिशत की राजस्व वृद्धि वर्तमान परिवेश के हिसाब से एक ''अच्छी वृद्धि'' को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि क्लाउड माइग्रेशन और जेनएआई परियोजनाएं जोर पकड़ रही हैं, लेकिन वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र को ''प्रतिकूल परिस्थितियों'' का सामना करना पड़ सकता है। विजयकुमार ने साक्षात्कार में कहा, '' एचसीएल टेक्नोलॉजीज (एचसीएलटेक) सेमीकंडक्टर, ऑटोमोटिव और जापान जैसे भौगोलिक क्षेत्रों में मजबूत वार्षिक राजस्व हासिल करने वाले मंचों के अधिग्रहण के लिए उत्सुक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कंपनी जेनरेटिव एआई अवसरों को भुनाने के लिए तैयार है।

शहबाज शरीफ ने रियाद में आईएमएफ प्रमुख से नए ऋण कार्यक्रम पर की चर्चा

रियाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आईएमएफ की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा से मुलाकात की और नकदी संकट से जूझ रहे अपने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए एक नए ऋण कार्यक्रम पर चर्चा की। रियाद में विश्व आर्थिक मंच की एक बैठक से इतर शरीफ ने तीन अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त व्यवस्था हासिल करने में पाकिस्तान को समर्थन देने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक जॉर्जीवा का शुक्रिया अदा किया। पाकिस्तान ने पिछले साल जून में तीन अरब अमेरिकी डॉलर का आईएमएफ कार्यक्रम हासिल किया था। पाकिस्तान मौजूदा एसबीए के इस महीने समाप्त होने के बाद एक नई दीर्घकालिक विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) की मांग कर रहा है।

अर्थतंत्र : सरकार की क्षमता में सुधार की दरकार

राजेश कुमार

चुनावी राजनीति में राजनीतिक दल प्राय: चुनाव से पहले राजनीतिक घोषणापत्रों के माध्यम से अपने दृष्टिकोण एवं योजनाएं जनता के समक्ष रखते हैं। परंतु, भारत विकास के जिस चरण में खड़ा है वहां ऐसे घोषणापत्र कदाचित ही सभी वर्गों की अपेक्षाएं पूरी कर पाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में तीसरी बार आता है तो कुछ बड़े निर्णय लिए जाएंगे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने भी विभिन्न खंडों में बड़े कदम उठाने की घोषणा की है।

हालांकि, इस स्तंभ का उद्देश्य दोनों दलों के घोषणापत्रों की तुलना करना नहीं है। यहां उद्देश्य अगली सरकार के लिए एक महत्त्वपूर्ण विचार या सोच को रेखांकित करना है जो व्यवहार में लाया जा सके। इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है कि कौन-सा दल या गठबंधन सत्ता में आता है।

वर्तमान स्थिति साल 2009 में एक बड़े अर्थशास्त्री से इस लेखक के संवाद की याद दिलाती है। उस वर्ष आम चुनाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार बड़े बहुमत से सत्ता में आई थी। 2009 से पहले कुछ वर्षों में भारत ने शानदार आर्थिक प्रगति की थी और सभी का यह मानना था कि देश वैश्विक वित्तीय संकट से मोटे तौर पर अप्रभावित रहा है।

उस अर्थशास्त्री के साथ हुए संवाद का सारांश यह था कि निजी क्षेत्र ने 1991 में शुरू हुए आर्थिक सुधारों के बाद सराहनीय प्रदर्शन किया है और अब सरकार को स्वयं में सुधार करना चाहिए। यह तर्क अब भी उतना ही दमदार है जितना 2009 में हुआ करता था। यहां यह तात्पर्य कदापि नहीं है कि पिछले वर्षों में सरकारी तंत्र में सुधार नहीं हुआ है,

परंतु काफी कुछ अब भी किए जाने की आवश्यकता है। विकास से जुड़े कार्य एवं उनके प्रभाव सरकार की क्षमता और चुनौतियों से निपटने की उसके उपायों पर निर्भर करता है। इस संदर्भ में अर्थशास्त्री कार्तिक मुरलीधरन की नई पुस्तक 'एक्सलरेटिंग इंडियाज डेवलपमेंट- अ स्टेट लेड रोडमैप फॉर इफेक्टिव गवर्नेंस' में उन कई क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है जहां सरकारी क्षमता में सुधार की आवश्यकता है।

पुस्तक के अनुसार इस क्षमता में सुधार के साथ अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है। यह सत्य है कि भारतीय व्यवस्था कुछ चीजें वाकई बेहतर तरीके से करती हैं (उदाहरण के लिए लोक सभा चुनाव आयोजित करना) परंतु कुछ अरुचिकर एवं नियमित कार्य करने में विफल या आंशिक रूप से ही सफल रहती है। देवेश कपूर जैसे शिक्षाविदों ने कहा है कि भारतीय तंत्र निश्चित समय पर होने वाले कार्यों में अच्छा प्रदर्शन करता है। देश में कई क्षेत्र हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है मगर इस स्तंभ में दो व्यापक पहलुओं पर चर्चा केंद्रित कर रहे हैं। यह कहा जा सकता है कि भारत राजकोषीय क्षमता की कमी के कारण प्रभावी ढंग से विकास कार्यों को पूरा करने में असमर्थ है। इसका कारण यह है कि भारत व्यय के मोर्चे पर विकसित देशों का मुकाबला नहीं कर सकता है। अर्थव्यवस्था के तेजी से औपचारीकरण के बावजूद इसके कर संग्रह और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात में बहुत अधिक सुधार नहीं हुआ है। 15वें वित्त आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत का राजस्व पिछले कई वर्षों से स्थिर रहा है और प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में काफी कम रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अध्ययन के अनुसार भारत का सकल कर संग्रह इसकी क्षमता से 5 फीसदी से भी अधिक कम रहा है। अगर यह अंतर पाट दिया जाए तो राजकोषीय क्षमता बढ़ जाएगी और उधारी कम हो सकती है। मगर इस मोर्चे पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का प्रदर्शन अपेक्षा से कम रहा है। जीएसटी के साथ कुछ समस्याएं हैं और ये किसी से छुपी नहीं है।अगर अगली सरकार इसमें सुधार करती है तो यह बहुत अच्छी बात होगी। नई सरकार को प्रत्यक्ष कर आधार, खासकर आयकर बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेस द्वारा गृह मंत्री शाह का वीडियो एडिट करने पर गुरु बाल दास,सुनील सोनी और मोतीलाल साहू ने प्रेस वार्ता कर कहा

अपनी हार सामने देखकर बौखलाई कांग्रेस सफेद झूठ और ओछे हथकण्डों का सहारा ले रही

रायपुर। धर्मगुरु बालदास साहेब, भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुनील सोनी और विधायक मोतीलाल साहू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वीडियो से छेड़छाड़ कर आरक्षण खत्म करने का एक कूटरचित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस अपनी हार सामने देखकर बौखला गई है और जनता को भ्रमित करने के लिए सफेद झूठ और ओछे हथकण्डों का सहारा ले रही है। भारतीय जनता पार्टी और देश व प्रदेश की जनता-जनार्दन कांग्रेस की ऐसी हरकतें बिल्कुल सहन नहीं करने वाली है और जनता इसका करारा जवाब देने तैयार है।

उल्लेखनीय है कि धर्मगुरु बालदास साहेब, भाजपा सांसद सोनी, विधायक साहू व भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने सोमवार को ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर यह मांग की कि इस मामले में गंभीरता से संज्ञान लिया जाकर तेलंगाना कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों, तेलंगाना कांग्रेस के उत्तरदायी नेताओं, उसके आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफोर्म एक्स के संचालकों, इस फर्जी वीडियो को प्रसारित करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं, उपरोक्त वीडियो डिलीट करने वाले व्यक्ति तथा अन्य सभी संलिप्त दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण (एफआईआर) दर्ज कर कड़ी-से-कड़ी कार्रवाई की जाएद्ध भाजपा नेताओं ने कहा कि यह कूट-रचित वीडियो फेस-बुक, व्हाट्स एप तथा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स द्वारा अब वायरल हो चुका है तथा इससे संबंधित खबर प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा वेब-पोर्टलों के माध्यम से प्रसारित हो रही हैं। कांग्रेस द्वारा योजना बनाकर षड्यंत्रपूर्वक इस वीडियो को तेलंगाना

से प्रसारित किया गया है ताकि यह पूरे देश में प्रसारित तो हो सके किन्तु तेलंगाना की राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त होने के कारण अपराधियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई न हो सके। कांग्रेस पार्टी तथा उसके नेताओं का यह कायरतापूर्ण कृत्य भारतीय दंड संहिता तथा आई.टी. एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। धर्मगुरु बालदास साहेब, भाजपा सांसद सोनी व विधायक साहू ने ज्ञापन सौंपने से पूर्व सोमवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह एडिट किया गया वीडियो तेलंगाना कांग्रेस विंग द्वारा अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफोर्म एक्स के माध्यम से प्रसारित किया गया है जिसमें उनके मूल भाषण में कूट-रचना कर यह दर्शाया गया है कि उनके द्वारा कहा जा रहा है कि, यदि उनकी सरकार बनी तो वह आरक्षण को समाप्त कर देंगे।

भाजपा नेताओं ने कहा कि जिस वीडियो में छेड़-छाड़ की गई है, उसका मूल रूप भी उपलब्ध है जिसमें श्री शाह वास्तव में कह रहे हैं कि, भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो हम गैर-संवैधानिक मुस्लिम रिजर्वेशन को समाप्त कर देंगेद्ध यह अधिकार तेलंगाना के एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. का है, वो अधिकार उनको मिलेगा और मुस्लिम रिजर्वेशन को हम समाप्त कर देंगे धर्म के आधार पर संविधान में आरक्षण की कोई व्यस्था नहीं है तथा केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह का यह भाषण इसी परिप्रेक्ष्य में था, किन्तु तेलंगाना कांग्रेस के द्वारा वास्तविक बयान में कूट-रचना कर उपरोक्त बयान के वास्तविक वक्तव्य को ही बदल दिया गया तथा कूट रचना कर वक्तव्य में आरक्षण के विषय में गलत बातें जोड़कर जनता के बीच अफवाह फैलाने की निंदनीय हरकत की गई है। धर्मगुरु बालदास साहेब, भाजपा सांसद सोनी व विधायक साहू ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एडीटेड वीडियो वायरल करने की कांग्रेसी करतूत के खिलाफ भाजपा तत्काल कारगर कार्रवाई की मांग करती है। विदित रहे, इससे पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के वक्तव्य से भी छेड़छाड़ करके कांग्रेसियों ने अपने राजनीतिक पतन का प्रदर्शन किया था और अब लगातार ऐसा करके कांग्रेस अपने राजनीतिक चरित्र के पतन की पराकाष्ठा कर चुकी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि दशकों तक आदिवासियों, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग के लोगों को ठगती रहने वाली, वंचित समूहों का शोषण करने वाली कांग्रेस अब फिर से आरक्षण के विरुद्ध दुष्प्रचार कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह के भाषण को भी गलत तरीके से एडिट कर कांग्रेस भ्रांति फैला रही है। कांग्रेस का अब यही राजनीतिक चरित्र रह गया है। अभी कुछ दिनों पहले प्रदेश के मुंख्यमंत्री विष्णुदेव साय के भाषण के वीडियो क्लिप से छेड़छाड़ करके कांग्रेसियों ने झूठ फैलाने की शर्मनाक हरकत की थी। कांग्रेस की ऐसी हरकतों की जितनी निंदा की जाय, वह कम है।

नक्सलवाद को लेकर भाजपा की नीति और नीयत दोनों स्पष्ट हैः देवलाल ठाकुर

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि नक्सलवाद को लेकर भाजपा की नीति और नीयत शुरू से स्पष्ट है। नक्सलवादियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जा रहा है। यह भाजपा की सुस्पष्ट नीति का ही परिणाम है कि पिछले दिनों फोर्स ने नक्सलियों की मांद में घुसकर चुनाव की प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने के मंसूबे पर पानी फेर दिया था। भाजपा नेता कांग्रेस के संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा की ओर अंगुली उठाने से पहले कांग्रेस के लोगों को पहले अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए।

माओवादी सोच में जकड़े कांग्रेसी अब बगैर पुख्ता जानकारी के कुछ भी बयान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के लिए खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस साल अब तक कम से कम 80 नक्सली मारे गए हैं। 125 से अधिक गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि 150 ने आत्मसमर्पण किया है। कुछ दिनो पूर्व ही छत्तीसगढ़ में दो दिन पहले सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2004-14 की तुलना में 2014-23 में देश में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 52 प्रतिशत की गिरावट आई है और इस अवधि में मौतों की संख्या 69 प्रतिशत कम होकर 6,035 से 1,868 हो गई है।

मौनीबाबा की परंपरा कांग्रेस की है, भाजपा की नहीं - भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मौनी बाबा कहे जाने पर ऐतराज जताते हुए कहा कि यह परंपरा कांग्रेस में रही है, भाजपा में नहीं। 10 वर्षों तक यूपीए शासनकाल में उनके प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को मौनी बाबा बने हुए थे।केवल एक परिवार की भक्ति करने वाली पार्टी में किसी और को कुछ भी बोलने की इजाजत नहीं है। हमारे यहां सीएम विष्णुदेव साय जी ने स्पष्ट कहा है कि नक्सलियों को उनके लहजे में जवाब दिया जाएगा। बातचीत से समस्याएं हल होती हैं, इसलिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने नक्सलियों के लिए बातचीत का रास्ता खोल रखा है, लेकिन अगर वे हथियार उठाएंगे तो इधर से जवानों को भी गोली मारने के आदेश दिए जाएंगे।

आत्मसमर्पण के लिए विशेष पॉलिसी नियद नेल्लानार- भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों में नियद नेल्लानार योजना शुरू की है। नियद नेल्लानार का मतलब होता है आपका अच्छा गांव। इस योजना के तहत बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा शिविरों के 5 किलोमीटर के दायरे में जो गांव हैं उन्हें विकास से जोड़ा जाएगा। सुरक्षा कैंपों के माध्यम से गांव वालों तक सुविधाएं पहुंचाने और उन तक सरकार की सभी लाभकारी योजनाओं को पहुंचाया जाएगा।

राहुल गांधी के दौरे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव का करारा प्रहार

राहुल बताएं कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर उसका कत्ल क्यों किया?

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी के दौरे पर अपना बयान देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि जिस कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर संविधान का कत्ल किया हो, चुनी हुई सरकारों को लगातार बर्खास्त किया हो ,वह संविधान को हाथ में लेकर घूमने का नाटक कर रहे हैं। राहुल गांधी अब एक ऐसे शख्स हो चुके हैं जो कुछ भी वास्तविक नहीं करते, केवल नाटक करते हैं वह मंदिर जाते हैं तो वह नाटक होता है, संविधान को हाथ में लेते हैं तो वह नाटक होता है ,राहुल गांधी ने देश के लोगों की भावनाओं से खेलने का काम लगातार किया है।

श्री देव ने कहा कि आज राहुल गांधी को छत्तीसगढ़ आकर यह बताना चाहिए था कि आखिर केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के वीडियो को एडिट करने और लोगों को भ्रमित करने की कायरता पूर्ण हरकत कांग्रेस ने क्यों की? राहुल गांधी को यह बताना चाहिए था कि उनका घोषणा पत्र तुष्टीकरण पत्र क्यों है? क्यों उसमें आदिवासी, समाज पिछड़ा वर्ग के लोगों के हक छीनने की बात लिखी है?

श्री देव ने कहा कि राहुल गांधी के बिलासपुर दौरे से छत्तीसगढ़ की सातों सीटों पर भाजपा को फायदा मिलेगा, क्योंकि राहुल गांधी की छवि एक पार्ट टाइम पॉलिटिशियन की है और देश के लोग उनकी तुष्टिकरण की नीति से घृणा करते हैं, झूठ-मूठ में जनेऊ पहनना ,संविधान को हाथ में उठाने का नाटक करना और बार-बार सनातन धर्म को अपमानित करने वाले काम करना और कांग्रेस के सारे नेताओं और अपने गठबंधन के नेताओं से सनातन धर्म को अपमानित करने वाले बयान दिलवाने, साथ ही राम मंदिर का न्योता ठुकराने जैसे कई कदमों की वजह से छत्तीसगढ़ की जनता राहुल गांधी के प्रति आक्रोशित है एवं उनके आने से कांग्रेस को जो कुछ वोट मिलने वाले थे उसमें भी कमी आएगी।

23 हार्डकोर माओवादियों ने आतंक को कहा अलविदा

दंतेवाड़ा/रायपुर। लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर फिर 23 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ समाज की मुख्यधारा से खुद को जोड़ लिया है. सरेंडर करने वाले नक्सलियों में वैसे नक्सली शामिल हैं जो जंगल में पेड़ काटकर रास्ता बंद करते थे. जंगल में जवानों को निशाना बनाने के लिए बम प्लांट करते थे. इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने से लगातार

माओवादियों का मनोबल गिरता जा रहा है.

23 नक्सलियों ने किया सरकार के सामने सरेंडर- सरेंडर करने वाले माओवादियों को छत्तीसगढ़ सरकार की पुर्वास नीति के तहत 25 - 25 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी गई. सरकार सरेंडर करने वाले नक्सलियों को तमाम वो सुविधाए देगी जिसके वो हकदार है. पूरे बस्तर में लोन वर्राटू और पूना नर्कोम योजना के तहत अबतक सैंकड़ों नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं. वरिष्ठ अफसरों के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान को लगातार बड़ी सफलता मिल रही है.

बीते कुछ महीनों में बड़ी संख्या में नक्सली हथियार छोड़ समाज की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं. आज भी 23 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं. हमारी कोशिश है कि सरकार की घर वापसी अभियान का गांव गांव तक प्रचार प्रसार किया जाए. नक्सलियों से भी हमारी अपील है कि वो हिंसा का रास्ता छोड़ आम जीवन में लौटें. जिन 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया उसमें 20 माओवादियों ने डीआरजी के सामने हथियार डाले जबकी 3 नक्सलियों ने सीआरपीएफ के सामने सरेंडर किया. - स्मृतिक राजनाला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दंतेवाड़ा.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भाजपा संविधान बदलना, आरक्षण खत्म करना चाहती है-बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा नेताओं और नरेंद्र मोदी के करीबियों के बयानों से अब साफ हो गया है कि उनका उद्देश्य है - संविधान बदल कर देश का लोकतंत्र तबाह कर देना। दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का आरक्षण छीन कर देश चलाने में उनकी भागीदारी खत्म करना। लेकिन संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए कांग्रेस चट्टान की तरह भाजपा की राह में खड़ी है। जब तक कांग्रेस है - वंचितों से उनका आरक्षण दुनिया की कोई ताकत नहीं छीन सकती। केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर कांग्रेस सामाजिक रूप से वंचित लोगों के लिये हिस्सेदारी न्याय लागू करेगी। कांग्रेस के न्याय पत्र में हिस्सेदारी न्याय भारत के सामाजिक संरचना में क्रांतिकारी परिवर्तन लायेगा। कांग्रेस पार्टी पिछले सात दशकों से समाज के पिछड़े, वंचित, पीड़ित और शोषित वर्गों एवं जातियों के हक और अधिकार के लिए सबसे अधिक मुखरता के साथ आवाज़ उठाती रही है। कांग्रेस लगातार उनकी प्रगति के लिए प्रयास करती रही है। लेकिन जाति के आधार पर होने वाला भेदभाव आज भी हमारे समाज की हकीकत है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग देश की आबादी के लगभग 70 प्रतिशत हैं, लेकिन अच्छी नौकरियों, अच्छे व्यवसायों और ऊँचे पदों पर उनकी भागीदारी काफी कम है।

भाजपा ने जनता का हक़ छीनकर देश के संसाधन मित्रों पर लुटाए

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी राज में केवल महंगाई, बेरोजगारी और असमानता का विकास हुआ है। विगत 10 वर्षों में रोजगार की समस्या साल दर साल बढ़ती ही गई है। हाल ही में जारी सीएमआईई के आंकड़ों के अनुसार देश में 45 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं जिन्होंने अब निराश होकर काम की तलाश ही छोड़ दी है, इनमें महिलाएं ज्यादा है। मोदी राज में कुल कामगारों की संख्या घटकर 40 प्रतिशत रह गई है रोजगार बढ़ाने के बजाय दो करोड़ 10 लाख कामगार घट गए हैं। मोदी राज में बढ़ती बेरोजगारी की भयावह स्थिति का प्रमाण है कि वर्तमान में देश के लगभग 60 प्रतिशत लोगों के पास काम नहीं है। एक तरफ मोदी के मित्र अमीरों की आय बहुत तेजी से बढ़ रही है वही मध्यम वर्ग और गरीब, और अधिक गरीब होता जा रहा है। देश की आधी आबादी महिलाओं की है लेकिन अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी मात्र 18 प्रतिशत है जो कि वैश्विक औसत से लगभग आधी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है एक तरफ केंद्रीय विभागों सार्वजनिक उपक्रमों और नवरत्न कंपनियों में लाखों की संख्या में पद खाली है लेकिन केंद्र की मोदी सरकार वैकेंसी निकल कर रिक्त पदों पर भरती करने के बजाय सरकारी संसाधनों को बेचकर युवाओं के सरकारी नौकरी में रोजगार के अवसर को बेचने का काम कर रही है।

आरएसएस और भाजपा आरक्षण के खिलाफ

रायपुर। भाजपा के प्रेस वार्ता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि आरएसएस और भाजपा आरक्षण की विरोधी है.कई बार भाजपा और आरएसएस के नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर आरक्षण को खत्म करने की बात कही है। 2015 में आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत ने आरक्षण और इसकी आवश्यकता एवं समय-सीमा की समीक्षा करने की बात कही थी। 2017 में आरएसएस नेता मनमोहन वैद्य ने कहा कि आरक्षण को हटा दिया जाना चाहिए। 2018 में बीजेपी सांसद सीपी ठाकुर ने दलित आरक्षण का विरोध किया था। 2021 में हिमाचल प्रदेश के पूर्व बीजेपी सीएम ने कहा था कि अब जाति आधारित आरक्षण को खत्म करने का समय आ गया है। पूर्व के रमन सरकार ने एससी वर्ग के आरक्षण में कटौती किया था। रमन सरकार के दौरान तत्कालीन गृह मंत्री ननकी राम कंवर की अध्यक्षता में आदिवासी आरक्षण के पक्ष में बनी कमेटी के निर्णय को रमन सरकार ने कोर्ट में नहीं रखा था. कांग्रेस की सरकार ने 76 प्रतिशत आरक्षण संशोधन विधेयक पारित किया उसे भी भाजपा ने साजिश रच कर राजभवन में अब तक रुकवाया हुआ है यह भाजपा के आरक्षण विरोधी नीतियों का परिणाम है।

कई ट्रेनें चल रही लेट यात्री परेशान

रायपुर। अप और डाउन दिशा की ज्यादातर ट्रेनें देरी से चल रही है। हावड़ा-मुम्बई रेल्वे मार्ग के अलावा देश की राजधानी नई दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनें विलंब से चल रही है। सोमवार को अमृतसर-बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, बिकानेर-बिलासपुर, इंटरसिटी, रायगढ़-नई दिल्ली-गोंडवाना एक्सप्रेस देरी से राजनांदगांव पहुंची। स्थानीय रेल्वे स्टेशन में यात्रियों को ट्रेनों के इंतजार में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अमृतसर से बिलासपुर चलने वाली डाउन दिशा, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस लगभग 4 घंटे देरी से पहुंची। इसी तरह अप दिशा की गोंडवाना एक्सप्रेस तय समय से एक घंटे लेट से पहुंची। ट्रेनों के लेट-लतीफी के चलते यात्रियों में आक्रोश की स्थिति भी निर्मित हो रही है। पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों के देरी से चलने से यात्रियों को भीषण गर्मी में ट्रेनों के इंतजार में स्टेशनों में ही पसीना बहाना पड़ रहा है। इसके अलावा आए दिनों ट्रेनों को रद्द किए जाने से भी यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब ट्रेनों की लेट-लतीफी ने यात्रियों के पसीने छुडा दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें लेट-लतीफी से चल रही है।

रायपुर लोस क्षेत्र के वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाता घर से कर रहे मतदान

रायपुर। रायपुर जिले में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर होम वोटिंग शुरू हो गई है। इसमें खास मतदान दल 85 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्ग और दिव्यां मतदाताओं को बैलेट के जरिए घर जाकर मतदान करवा रहे हैं। रायपुर लोकसभा में आने वाले सभी विधानसभा क्षेत्र में होम वोटिंग को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने पोस्टल बैलट के साथ होम वोटिंग मतदान रथ को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। कलेक्टर ने सभी मतदान दल प्रमुखों को गुलाब फूल देकर सम्मानित किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, एडीएम देवेन्द्र पटेल, नोडल अधिकारी बृजेश सिंह, एसडीएम नंदकुमार चौबे समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे थे। रायपुर लोकसभा में अंतरगर्त आने वाले 9 विधानसभा सीट में 622 सीनियर सिटीजन और दिव्यांग मतदाता होम वोटिंग के जरिए अपने मताधिकार को प्रयोग कर रहे है। इनमें सबसे अधिक अभनपुर विधानसभा में 130 मतदाता,रायपुर ग्रामीण में 85 ,रायपुर दक्षिण 67, धरसींवा 66 , बलौदा बाजार 63, आरंग 60 , रायपुर पश्चिम 56, भाटापारा 50,रायपुर उत्तर के 45 वोटर होम वोटिंग करेंगे।

वोट लेने मुख्यमंत्री तीसरी किश्त की घोषणा कर रहे

महतारी वंदन में 75 प्रतिशत महिलाओं को दूसरी किश्त नहीं मिली

रायपुर। महतारी वंदन में 75 प्रतिशत महिलाओं को दूसरी किश्त की राशि अभी तक नहीं मिली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि वोट लेने के लिये मुख्यमंत्री तीसरी किश्त की राशि के संबंध बयान दे रहे है। कांग्रेस ने मांग किया है कि सरकार बतायें महतारी वंदन योजना की दूसरी किश्त कितने महिलाओं के खाते में डाला गया। जिन महिलाओं को पहली किश्त मिली थी उनमें से अधिकांश महिलाओं को अभी तक दूसरी किश्त नहीं मिली है। भाजपा सरकार पहली किश्त देने के बाद महिलाओं को दूसरी किश्त नहीं दे रही है। सरकार तीसरी किश्त देने का केवल बयानबाजी कर रही है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि सरकार जिन महिलाओं के खाते में दूसरी किश्त डाली गयी है उनका नाम सार्वजनिक करें। भाजपा की नीयत में खोट आ गया है, जब लोकसभा चुनाव के पहले महिलाओं के खाते में पैसा नहीं आ रहा तब लोकसभा चुनाव के बाद महतारी वंदन योजना बंद हो जायेगी इसकी गारंटी है। विष्णुदेव साय की सरकार ने साबित किया है कि झूठ, लफ्फ़ाज़ी और वादाखिलाफी ही मोदी की गारंटी है। डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ का केवल शोषण कर रही है। महतारी वंदन के नाम पर प्रदेश के 1 करोड़ 4 लाख महिला मतदाताओं में से अधिसंख्यक महिलाओं का इंतजार अब तक खत्म नही हुआ है। 18 से 21 वर्ष की विवाहित महिलायें पूरी तरह से ठगी गई, यही नहीं जिन्हे पात्र बताया उनका पैसा भी खातों में अब तक नही आये। ऐसे हितग्राहियों की बड़ी संख्या है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने सरकार बनते ही महिलाओं के खाता में 1 हजार रु. महीना ट्रांसफर करने का वादा किया था, दिसंबर माह में साय सरकार का गठन हो गया है और अभी जनवरी-फरवरी, मार्च और अप्रैल 4 माह हो चुका है और मात्र एक महीने की 1000 रु. राशि महिलाओं को दी गई है. यह महिलाओं के साथ धोखा और छल हैं. प्रदेश के 70 प्रतिशत महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। साय सरकार महतारी वंदन योजना में छल कपट खेल बंद करे, उनका उपहास न उड़ाये बल्कि सीधा 4 महीने की बकाया 4000 रु. की राशि खाता में जमा कराये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की वादाखिलाफी का महिलायें प्रतिरोध करेगी तथा केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनायेगी। केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रदेश के गरीब महिलाओं को 1 लाख रु. सालाना सीधा ट्रांसफर किया जाएगा। यानि महिलाओ को हर महीना लगभग 8333 रु एवं 5 साल में गरीब महिलाओं के खाते में 5 लाख रु. राशि कांग्रेस की सरकार दर्ज जमा करवाएगी।

परीक्षा परिणाम से उत्पन्न तनाव एवं डिप्रेशन को दूर करने दक्षता विकास एवं अभिप्रेरणा प्रशिक्षण संपन्न

रायपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष घोषित किए जाते हैं विद्यार्थियों के अपेक्षित परिणाम नहीं आने से विद्यार्थी प्राय: तनाव में रहते हैं तथा कुछ विद्यार्थी तो डिप्रेशन में चले जाते हैं, राज्य शासन ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल एवं स्ष्श्वक्रञ्ज के सहयोग से आज ऑनलाइन दक्षता विकास एवं अभिप्रेरणा प्रशिक्षण आज आयोजित की गई। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेनू पिल्ले ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम शीघ्र बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित करने जा रहे हैं। परीक्षा परिणाम घोषित होने के पहले या बाद में विद्यार्थियों को निराश होने या तनाव लेने की आवश्यकता नहीं है। पालकों को भी बच्चों से बहुत अधिक एक्सपेक्टेशन नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी बच्चे में यह प्रवृत्ति पायी जाती है या इस संदर्भ में कोई भी सूचना मिलती है तो स्वास्थ्य विभाग के टोल फ्री नंबर 104 आरोग्य सेवा नि:शुल्क परामर्श पर सूचित किया जा सकता है । यह टोल फ्री नंबर 24म7 संचालित रहेगा। सूचना प्राप्त होने पर विद्यार्थियों के हित में तत्काल समाधान उपलब्ध कराया जा सकेगा। स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने कहा कि कई बच्चे अपेक्षा अनुसार परिणाम नहीं ला पाते इस स्थिति में तनाव नहीं लेना चाहिए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.